PROFESSIONAL EXAMINATION BOARD
Middle School Teacher Eligibility Test - 2018

22nd Feb 2019 02:30PM

Topic:- Child Development & Pedagogy (CDP)

1) In what part of memory does chunking occur? / स्मृति के किस हिस्से में चंकिंग (खण्डन) होता है?

1. Short term memory / लघु-कालीन स्मृति
2. Long term memory / दीर्घ-कालीन स्मृति
3. Sensory register / संवेदी रजिस्टर
4. Working memory / चलन स्मृति (वर्किंग मेमोरी)

Correct Answer :-

- Short term memory / लघु-कालीन स्मृति

2) An anxiety disorder is characterized by :/ एक चिंता विकार की विशेषता है:

1. An excessive or aroused state characterized by feelings of apprehension, uncertainty, and fear. / एक अत्यधिक या उत्तेजित स्थिति जो कि आशंका, अनिश्चितता और भय की भावनाओं की विशेषता है।
2. Disordered thinking / विकृत चिंतन।
3. An emotional condition classified by excessive checking/ अत्यधिक जाँच द्वारा वर्गीकृत एक भावनात्मक स्थिति।
4. An emotional state identified by panic attacks / पैनिक अटैक की वजह से एक भावनात्मक स्थिति।

Correct Answer :-

- An excessive or aroused state characterized by feelings of apprehension, uncertainty, and fear. / एक अत्यधिक या उत्तेजित स्थिति जो कि आशंका, अनिश्चितता और भय की भावनाओं की विशेषता है।

3) A devoted teacher would adopt _____ to arouse interest of the learners. / एक समर्पित शिक्षक को शिक्षार्थी की रूचि जगाने के लिए _____ को अपनाना होगा।

1. Demonstrative methods / प्रदर्शन विधि
2. Innovative methods / नवाचारी विधि
3. Easy methods / आसान विधि
4. Direct methods / प्रत्यक्ष विधि

Correct Answer :-

- Innovative methods / नवाचारी विधि

4) Variations in social values can be attributed to: / सामाजिक मूल्यों में बदलाव को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है:

1. Reducing inequality / असमानता को कम करना
2. Social change / सामाजिक परिवर्तन
3. Social mobility / सामाजिक गतिशीलता
4. Transmission of culture / संस्कृति का संचरण

Correct Answer :-

- Social change / सामाजिक परिवर्तन

5) According to the view of _____, a schema includes both a category of knowledge and the process of obtaining that knowledge. / _____ के दृष्टिकोण के अनुसार, एक स्कीमा में ज्ञान की एक श्रेणी और उस ज्ञान को प्राप्त करने की प्रक्रिया दोनों शामिल हैं।

1. Jean Piaget / जीन पियाजे

2. Erik Erikson / एरिक इरिकसन

3. Jerome Bruner / जेरीमी ब्रुनर

4. Sigmund Freud / सिग्मंड फ्रायड

Correct Answer :-

- Jean Piaget / जीन पियाजे

6) Teachers have to deal with _____ of learners. / शिक्षकों को शिक्षार्थी की _____ के साथ डील करना पड़ता है।

1. Inclusivity / समावेशिता

2. Diversity / विविधता

3. Diverge / विचलन

4. Giftedness / प्रतिभाशली

Correct Answer :-

- Diversity / विविधता

7) Teaching Pedagogy Influences the performance of children as it enables the child _____. / शिक्षण शास्त्र बच्चे के प्रदर्शन को प्रभावित करता है क्योंकि यह बच्चे को _____ में सक्षम बनाता है।

1. to practice similar things again and again / समान चीजों का बार-बार अभ्यास करने

2. to be more disciplined / अधिक अनुशासित होना

3. to do more class work and home work / अत्यधिक कक्षा कार्य (क्लास वर्क) और गृह-कार्य (होम वर्क) करना

4. to listen and engage in learning / अधिगम में सुनना और व्यस्त रहना

Correct Answer :-

- to listen and engage in learning / अधिगम में सुनना और व्यस्त रहना

8) John uses clinical interviews in his class to know the problems of students. This shows his role as a _____. / जॉन अपनी कक्षा में छात्रों की समस्याओं को जानने के लिए नैदानिक साक्षात्कार का उपयोग करता है । यह उनकी भूमिका को _____ रूप में दर्शाता है।

1. Co-learner / सह-शिक्षार्थी

2. Negotiator / वार्ताकार

3. Classroom researcher / कक्षा अन्वेषक

4. Facilitator / प्रशिक्षक

Correct Answer :-

- Classroom researcher / कक्षा अन्वेषक

9) Who proposed language and thought to be independent? / किसने प्रस्तावित किया कि भाषा और विचार स्वतंत्र होते हैं?

1. Vygotsky / वाइगोत्सकी

2. Piaget / पियाजे

3. Kohler / कोह्लर

4. Chomsky / चॉमस्की

Correct Answer :-

- Chomsky / चॉमस्की

10) Assessment for learning involves / अधिगम के आंकलन में शामिल है

1. sharing exemplars at different levels of success according to certain criteria / कुछ मानदंडों के अनुसार सफलता के विभिन्न स्तरों पर उदाहरणों को साझा करना

2. providing grades or marks against students work / छात्रों के काम के विपरीत ग्रेड या अंक प्रदान करना

3. summative use of formative assessment / योगात्मक मूल्यांकन का योगात्मक उपयोग

4. use of tests and exams / परीक्षण और परीक्षा का उपयोग

Correct Answer :-

- sharing exemplars at different levels of success according to certain criteria / कुछ मानदंडों के अनुसार सफलता के विभिन्न स्तरों पर उदाहरणों को साझा करना

11) Which of the following is not a teaching skill in inclusive education? / निम्नलिखित में से कौन समावेशी शिक्षा में एक शिक्षण कौशल नहीं है?

1. Blackboard / ब्लैकबोर्ड

2. Questioning / पूछताछ

3. Problem solving / समस्या समाधान

4. Reinforcing / सुदृढ़ या प्रबलन

Correct Answer :-

- Blackboard / ब्लैकबोर्ड

12) When children learn to be aggressive because of exposure to violence in media, what type of learning is being displayed? / जब बच्चे मीडिया में हिंसा के संपर्क में आने के कारण आक्रामक होना सीखते हैं, तो किस प्रकार का अधिगम प्रदर्शित होता है?

1. Classical learning / क्लासिकल अधिगम

2. Media learning / मीडिया अधिगम

3. Exploratory learning / अन्वेशी अधिगम

4. Observational learning / विश्लेषणात्मक अधिगम

Correct Answer :-

- Observational learning / विश्लेषणात्मक अधिगम

13) Intelligence quotient is / बुद्धि लब्धि है

1. Chronological age/mental age x 100 / शारीरिक आयु / मानसिक आयु x 100

2. Chronological age x 100/ Mental age / शारीरिक आयु x 100 / मानसिक आयु

3. Mental age x 100/ Chronological age / मानसिक आयु x 100 / शारीरिक आयु

4. Mental age/ Chronological age x 100 / मानसिक आयु / शारीरिक आयु x 100

Correct Answer :-

- Mental age/ Chronological age x 100 / मानसिक आयु / शारीरिक आयु x 100

14) Learning happens when the child observes someone. This learning is known as _____. / अधिगम तब होता है जब बच्चा किसी को ध्यान से देखता है। इस अधिगम को _____ के रूप में जाना जाता है।

1. Operant conditioning / क्रियाप्रसूत अनुकूलन

2. Trial and error learning / प्रयत्न-त्रुटि अधिगम

3. Social learning / सामाजिक अधिगम

4. Insight learning / अंतर्दृष्टि अधिगम

Correct Answer :-

- Social learning / सामाजिक अधिगम

15) Learners who have an earnest desire for academic competence are said to have a: / शिक्षार्थी जो शैक्षिक योग्यता हेतु सबसे अधिक इच्छा रखते हैं, उन्हें कहा जाता है:

1. Performance avoidance orientation/ प्रदर्शन परिहार उन्मुखीकरण

2. Performance approach orientation/ प्रदर्शन दृष्टिकोण उन्मुखीकरण

3. Work avoidance orientation/ कार्य परिहार उन्मुखीकरण

4. Mastery orientation/ महारत उन्मुखीकरण

Correct Answer :-

- Mastery orientation/ महारत उन्मुखीकरण

16) Several abilities put together is known as _____. / कई क्षमताओं को एक साथ रखा जाना ____ कहलाता है।

1. Intelligence / बुद्धि

2. Interests / रूचियाँ

3. Attitude / मनोवृत्ति

4. Personality / व्यक्तित्व

Correct Answer :-

- Intelligence / बुद्धि

17) How many sub-stages are there in the sensorimotor stage of cognitive development?/ संज्ञानात्मक विकास के सेंसरीमोटर चरण में कितने उप-चरण होते हैं?

1. Seven / सात

2. Five / पांच

3. Six / छः

4. Eight / आठ

Correct Answer :-

- Six / छः

18) Which of the following is not a likely characteristic of a child whose parents are authoritarian? / निम्नलिखित में से कौन एक बच्चे की विलक्षणता नहीं है, जिसके माता-पिता अधिनायकवादी (अथॉरिटेरियन) हैं?

1. Unfriendly / अमित्र

2. Unsociable / एकांतप्रिय

3. Independent / स्वतंत्र

4. Withdrawn / अंतर्मुखी

Correct Answer :-

- Independent / स्वतंत्र

19) Out-of-school programs allow middle school children to explore safe opportunities to form long-lasting relationships with adults outside their families through_____. / विद्यालय कार्यक्रम के बाद माध्यमिक विद्यालय के बच्चों को _____ के माध्यम से अपने परिवारों के बाहर वयस्कों के साथ लंबे समय तक चलने वाले रिश्ते बनाने के लिए सुरक्षित अवसरों की अनुमति देता है।

1. pleasure and happiness / आनंद और खुशी

2. hardship and responsibility / कठिनाई और जिम्मेदारी

3. reading and writing for academic excellence / अकादमिक उत्कृष्टता के लिए पढ़ना और लिखना

4. independence, peer relationships, and leadership / स्वतंत्रता, सहकर्मी संबंध और नेतृत्व

Correct Answer :-

- independence, peer relationships, and leadership / स्वतंत्रता, सहकर्मी संबंध और नेतृत्व

20) John is a student who is naturally aware of his personal emotions, feelings and motivation. According to Howard Gardner's Theory of Multiple Intelligences, which of the following intelligence does he demonstrate?/ जॉन एक छात्र है जो अपनी व्यक्तिगत भावनाओं, एहसास और प्रेरणा से स्वाभाविक रूप से अवगत है। हावर्ड गार्डनर की थ्योरी ऑफ़ मल्टीपल इंटेलिजेंस (एकाधिक ज्ञान के सिद्धांत) के अनुसार, वह निम्न में से किस बुद्धिमत्ता को प्रदर्शित करता है?

1. Interpersonal intelligence/ अन्तर वैयक्तिक बुद्धिमत्ता

2. Intrapersonal intelligence/ अंतरावैयक्तिक बौद्धिकता

3. Visual-Spatial intelligence/ दृश्य-स्थानिक बुद्धिमत्ता

4. Naturalistic intelligence/ स्वाभाविक बुद्धिमत्ता

Correct Answer :-

- Intrapersonal intelligence/ अंतरावैयक्तिक बौद्धिकता

21) Nature of children is: / बच्चों की प्रकृति होती हैं:

1. Destructive / हानिकारक

2. Imitative / कृत्रिम

3. Imaginative / कल्पनाशील

4. Constructive / रचनात्मक

Correct Answer :-

- Constructive / रचनात्मक

22) What is the purpose of learning according to Humanism? / मानवतावाद के अनुसार अधिगम का उद्देश्य क्या है?

1. To ace the standardised tests / मानकीकृत परीक्षणों को एकरूप (एक्क) करने के लिए

2. To fulfil one's potential / किसी की क्षमता को पूरा करने के लिए

3. To become employable / रोजगारपरक बनने के लिए

4. To achieve financial security / वित्तीय सुरक्षा प्राप्त करने के लिए

Correct Answer :-

- To fulfil one's potential / किसी की क्षमता को पूरा करने के लिए

23) What is the name of the disorder characterized by an inability to carry out basic mathematical operations? / मौलिक गणितीय संक्रियाओं को करने में असमर्थता द्वारा पहचाने जाने वाले विकार का नाम क्या है?

1. Dyslexia / डिस्लेक्सिया

2. Dysmorphia / डिस्मॉर्फिया

3. Dysgraphia / डिसग्राफिआ

4. Dyscalculia / डिस्कैलक्युलिआ

Correct Answer :-

- Dyscalculia / डिस्कैलक्युलिआ

24) What animal was used by Thorndike in his experiment relating to operant conditioning? / थॉर्नडाइक द्वारा क्रियाप्रसूत अनुबंधन से संबंधित प्रयोग में किस जानवर का प्रयोग किया गया था?

1. Rat / चूहा

2. Dog / कुत्ता

3. Cat / बिल्ली

4. Pigeon / कबूतर

Correct Answer :-

- Cat / बिल्ली

25) What type of learning did E.L. Thorndike propose? / ई. एल. थॉर्नडाइक ने किस प्रकार के अधिगम का प्रस्ताव रखा?

1. Operant conditioning / क्रियाप्रसूत अनुबंधन (ऑपरेंट कंडीशनिंग)

2. Vicarious conditioning / प्रतिनिधिक अनुबंधन (वाइकेरियस कंडीशनिंग)

3. Classical conditioning / शास्त्रीय अनुबंधन (क्लासिकल कंडीशनिंग)

4. Effect conditioning / प्रभाव अनुबंधन (इफेक्ट कंडीशनिंग)

Correct Answer :-

- Operant conditioning / क्रियाप्रसूत अनुबंधन (ऑपरेंट कंडीशनिंग)

26) In language development, the structural organization of a sentence is known as ____. / भाषा के विकास में, एक वाक्य के संरचनात्मक संगठन को _____ के रूप में जाना जाता है।

1. Phoneme / ध्वनिम (फीनोम्स)

2. Syntax / वाक्यविन्यास (सिंटेक्स)

3. Pragmatics / तथ्यात्मक (प्रेग्मेटिक)

4. Morpheme / रूपिम (मॉर्फिम)

Correct Answer :-

- Syntax / वाक्यविन्यास (सिंटेक्स)

27) Identity versus Role Confusion happens between the ages of _____ / पहचान बनाम भूमिका भ्रम _____ आयु के बीच होती है।

1. Zero to three / शून्य से तीन

2. Three to six / तीन से छह

3. Six to eleven / छह से ग्यारह

4. Twelve to twenty / बारह से बीस

Correct Answer :-

- Twelve to twenty / बारह से बीस

28) Any change that happens due to _____ is considered as learning. /

_____ के कारण होने वाले किसी भी परिवर्तन को अधिगम माना जाता है।

1. Injury / चोट

2. Fatigue / थकान

3. Maturation / परिपक्वता

4. Practice / अभ्यास

Correct Answer :-

- Practice / अभ्यास

29) Which of the following is a cue for a teacher to understand the aptitude of the child towards learning? / निम्नलिखित में से क्या एक शिक्षक के लिए सीखने के प्रति बच्चे की योग्यता को समझने का एक संकेत है?

1. Students answering questions in class./ छात्र कक्षा में प्रश्न का उत्तर दे रहे हैं।

2. Student's assessment records showing the amount of learning achieved. / छात्र आंकलन रिकॉर्ड उनके द्वारा सीखी गई मात्रा को दर्शाते हैं।

3. Student giving innovative presentation of their work./ छात्र अपने काम की अभिनव प्रस्तुति देते हैं।

4. Students doing their homework regularly. / छात्र नियमित रूप से अपना गृहकार्य कर रहे हैं।

Correct Answer :-

- Student giving innovative presentation of their work./ छात्र अपने काम की अभिनव प्रस्तुति देते हैं।

30) Which of the following theorists of child development is not allied to the stimulus response learning theory/ बाल विकास के निम्नलिखित में से कौन सा सिद्धांतकार, उत्तेजना प्रतिक्रिया अधिगम सिद्धांत से संबद्ध नहीं है:

1. Pavilov/ पावलॉव

2. J.B.waston / जे.बी. वासटन

3. Gesell / गेसेल

4. Hull / हल

Correct Answer :-

- Gesell / गेसेल

Topic:- General Hindi (L1GH)

1) छाया मत छूना मन

होता है दुख दूना मन

जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी

छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;

तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,

कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।

भूली-सी एक छुअन

बनता हर जीवित क्षण

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

यश है न वैभव है, मान है न सरमाया;

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।

प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

जो है यथार्थ कठिन

उसका तू कर पूजन-

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं

देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं।

दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,

क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?

जो न मिला भूल उसे

कर तू भविष्य वरण,

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: कविता में व्यक्त दुखों का प्रमुख कारण क्या है?

1. प्रेयसी से विरह

2. मधुर स्मृतियों का अभाव

3. दांपत्य का अभाव

4. हमेशा अतीत को याद करते रहना

Correct Answer :-

- हमेशा अतीत को याद करते रहना

2) छाया मत छूना मन

होता है दुख दूना मन

जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी

छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;

तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,

कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।

भूली-सी एक छुअन

बनता हर जीवित क्षण

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

यश है न वैभव है, मान है न सरमाया;

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।

प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

जो है यथार्थ कठिन

उसका तू कर पूजन-

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं

देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं।

दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,

क्या हुया जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?

जो न मिला भूल उसे

कर तू भविष्य वरण,

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: क्या हुआ जो खिला फूल किसके जाने पर?

1. रस-बसंत
2. सीत-बसंत
3. शरद-ग्रीष्म
4. शिशिर-हेमंत

Correct Answer :-

- रस-बसंत

3) छाया मत छूना मन

होता है दुख दूना मन

जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी

छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;

तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,

कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।

भूली-सी एक छुअन

बनता हर जीवित क्षण

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

यश है न वैभव है, मान है न सरमाया;

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।

प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

जो है यथार्थ कठिन

उसका तू कर पूजन-

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं

देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं।

दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,

क्या हुया जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?

जो न मिला भूल उसे

कर तू भविष्य वरण,

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: कवि के अनुसार हर चाँद के पीछे क्या छिपी होती है?

1. एक काली रात

2. आकाशगंगा

3. तारों भरा आकाश

4. काले बादल

Correct Answer :-

- एक काली रात

4) छाया मत छूना मन

होता है दुख दूना मन

जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी

छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;

तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,

कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।

भूली-सी एक छुअन

बनता हर जीवित क्षण

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

यश है न वैभव है, मान है न सरमाया;

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।

प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

जो है यथार्थ कठिन

उसका तू कर पूजन-

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं

देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं।

दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,

क्या हुया जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?

जो न मिला भूल उसे

कर तू भविष्य वरण,

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: किसी व्यक्ति को शरद-रात आने पर किसके न खिलने का दुख होता है?

1. बेला के

2. चाँद के

3. गुलाब के

4. रातरानी के

Correct Answer :-

- चाँद के

5) छाया मत छूना मन

होता है दुख दूना मन

जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी

छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;

तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,

कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।

भूली-सी एक छुअन

बनता हर जीवित क्षण

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

यश है न वैभव है, मान है न सरमाया;

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।

प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

जो है यथार्थ कठिन

उसका तू कर पूजन-

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं

देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं।

दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,

क्या हुया जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?

जो न मिला भूल उसे

कर तू भविष्य वरण,

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: 'छाया' शब्द इस कविता में किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है?

1. नायिका के लिए

2. भविष्यत् काल के लिए

3. वर्तमान काल के लिए

4. भूतकाल के लिए

Correct Answer :-

- भूतकाल के लिए

6) छाया मत छूना मन

होता है दुख दूना मन

जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी

छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;

तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,

कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।

भूली-सी एक छुअन

बनता हर जीवित क्षण

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

यश है न वैभव है, मान है न सरमाया;

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।

प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

जो है यथार्थ कठिन

उसका तू कर पूजन-

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं

देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं।

दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,

क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?

जो न मिला भूल उसे

कर तू भविष्य वरण,

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: प्रेयसी के साथ रात बिताने के बाद मात्र क्या चीज़ शेष रह जाती है?

1. प्रेयसी की याद
2. प्रेयसी के वादे
3. प्रेयसी की बातें
4. उसके तन की सुगंध

Correct Answer :-

- उसके तन की सुगंध

7) छाया मत छूना मन

होता है दुख दूना मन

जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी

छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;

तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,

कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।

भूली-सी एक छुअन

बनता हर जीवित क्षण

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

यश है न वैभव है, मान है न सरमाया;

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।

प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

जो है यथार्थ कठिन

उसका तू कर पूजन-

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं

देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं।

दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,

क्या हुया जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?

जो न मिला भूल उसे

कर तू भविष्य वरण,

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: इस कविता में कवि ने किसके पूजन की बात की है?

1. आने वाला समय
2. चल रहा समय
3. बीता हुआ कल
4. कठिन यथार्थ

Correct Answer :-

- कठिन यथार्थ

8) छाया मत छूना मन

होता है दुख दूना मन

जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी

छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;

तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,

कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।

भूली-सी एक छुअन

बनता हर जीवित क्षण

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

यश है न वैभव है, मान है न सरमाया;

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।

प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

जो है यथार्थ कठिन

उसका तू कर पूजन-

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं

देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं।

दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,

क्या हुया जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?

जो न मिला भूल उसे

कर तू भविष्य वरण,

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: हमें अपने भूतकाल को क्या करके नहीं रखना चाहिए?

1. भूल कर
2. जोड़ कर
3. छोड़ कर
4. पकड़ कर

Correct Answer :-

- पकड़ कर

9) छाया मत छूना मन

होता है दुख दूना मन

जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी

छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;

तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,

कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।

भूली-सी एक छुअन

बनता हर जीवित क्षण

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

यश है न वैभव है, मान है न सरमाया;

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।

प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

जो है यथार्थ कठिन

उसका तू कर पूजन-

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं

देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं।

दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,

क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?

जो न मिला भूल उसे

कर तू भविष्य वरण,

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: यश, वैभव के अतिरिक्त और क्या बाकी नहीं रहता?

1. अटारी

2. महल

3. मकान

4. पीछे की जमापूँजी

Correct Answer :-

- पीछे की जमापूँजी

10) छाया मत छूना मन

होता है दुख दूना मन

जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी

छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;

तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,

कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।

भूली-सी एक छुअन

बनता हर जीवित क्षण

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

यश है न वैभव है, मान है न सरमाया;

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।

प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

जो है यथार्थ कठिन

उसका तू कर पूजन-

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं

देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं।

दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,

क्या हुया जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?

जो न मिला भूल उसे

कर तू भविष्य वरण,

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: हिम्मत होने के बावजूद आदमी को किस वज़ह से सही रास्ता नहीं दिखाई देता?

1. संध्या के कारण

2. रात्रि के कारण

3. अज्ञात कारणों से

4. दुविधा के कारण

Correct Answer :-

- दुविधा के कारण

11) छाया मत छूना मन

होता है दुख दूना मन

जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी

छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;

तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,

कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।

भूली-सी एक छुअन

बनता हर जीवित क्षण

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

यश है न वैभव है, मान है न सरमाया;

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।

प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

जो है यथार्थ कठिन

उसका तू कर पूजन-

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं

देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं।

दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,

क्या हुया जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?

जो न मिला भूल उसे

कर तू भविष्य वरण,

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: शरीर तो स्वस्थ रहता है लेकिन मन के अंदर क्या हजारों भरे होते हैं?

1. उत्साह
2. चिंता
3. खुशी
4. दुख

Correct Answer :-

- दुख

12) छाया मत छूना मन

होता है दुख दूना मन

जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी

छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;

तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,

कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।

भूली-सी एक छुअन

बनता हर जीवित क्षण

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

यश है न वैभव है, मान है न सरमाया;

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।

प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

जो है यथार्थ कठिन

उसका तू कर पूजन-

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं

देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं।

दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,

क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?

जो न मिला भूल उसे

कर तू भविष्य वरण,

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: अपने भूतकाल की कीर्तियों पर किसी बड़प्पन का अहसास क्या है?

1. कुछ नहीं
2. बीती बातें
3. मृगतृष्णा
4. सुखद यादें

Correct Answer :-

- मृगतृष्णा

13) छाया मत छूना मन

होता है दुख दूना मन

जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी

छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;

तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,

कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।

भूली-सी एक छुअन

बनता हर जीवित क्षण

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

यश है न वैभव है, मान है न सरमाया;

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।

प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

जो है यथार्थ कठिन

उसका तू कर पूजन-

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं

देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं।

दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,

क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?

जो न मिला भूल उसे

कर तू भविष्य वरण,

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: जीवन का हर क्षण किसकी तरह शेष रह जाता है?

1. किसी भी तरह नहीं
2. फैली हुई उदासी की तरह
3. मन की शांति की तरह
4. किसी भूली-सी छुअन की तरह

Correct Answer :-

- किसी भूली-सी छुअन की तरह

14) छाया मत छूना मन

होता है दुख दूना मन

जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी

छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;

तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,

कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।

भूली-सी एक छुअन

बनता हर जीवित क्षण

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

यश है न वैभव है, मान है न सरमाया;

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।

प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

जो है यथार्थ कठिन

उसका तू कर पूजन-

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं

देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं।

दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,

क्या हुया जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?

जो न मिला भूल उसे

कर तू भविष्य वरण,

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: 'जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी', से कवि का अभिप्राय किससे है?

1. किसी से नहीं
2. जीवन की मधुर स्मृतियों से
3. सुगंधित रातों से
4. सुहावनी ऋतुओं से

Correct Answer :-

- जीवन की मधुर स्मृतियों से

15) छाया मत छूना मन

होता है दुख दूना मन

जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी

छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;

तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,

कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।

भूली-सी एक छुअन

बनता हर जीवित क्षण

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

यश है न वैभव है, मान है न सरमाया;

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।

प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

जो है यथार्थ कठिन

उसका तू कर पूजन-

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं

देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं।

दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,

क्या हुया जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?

जो न मिला भूल उसे

कर तू भविष्य वरण,

छाया मत छूना मन

होगा दुख दूना मन

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: छाया को छूने या पकड़ने की कोशिश हमेशा क्या होती है?

1. सार्थक

2. व्यर्थ

3. दुर्गम

4. सुगम

Correct Answer :-

- व्यर्थ

16) विद्या, कला, कविता, साहित्य, धन और राजस्व से भी आचरण की सभ्यता अधिक ज्योतिष्मती है। आचरण की सभ्यता को प्राप्त करके एक कंगाल आदमी राजाओं के दिलों पर भी अपना प्रभुत्व जमा सकता है। इस सभ्यता के दर्शन से कला, साहित्य, और संगीत को अद्‌भुत सिद्धि प्राप्त होती है। राग अधिक मृदु हो जाता है; विद्या का तीसरा शिव-नेत्र खुल जाता है, चित्र-कला का मौन राग अलापने लग जाता है; वक्ता चुप हो जाता है; लेखक की लेखनी थम जाती है; मूर्ति बनाने वाले के सामने नये कपोल, नये नयन और नयी छवि का दृश्य उपस्थित हो जाता है। आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का निघण्टु शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाममात्र के लिए भी शब्द नहीं। यह सभ्याचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, राग गाता हुआ भी राग के सुर के भीतर पड़ा है। मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से खुली हुई है। नम्रता, दया, प्रेम और उदारता सब के सब सभ्याचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थायी होता है और उसकी आत्मा का एक अंग हो जाता है।

न काला, न नीला, न पीला, न सफेद, न पूर्वी, न पश्चिमी, न उत्तरी, न दक्षिणी, बे-नाम, बे-निशान, बे-मकान, विशाल आत्मा के आचरण से मौन रूपिणी, सुगन्धि सदा प्रसारित हुआ करती है; इसके मौन से प्रसूत प्रेम और पवित्रता-धर्म सारे जगत का कल्याण करके विस्तृत होते हैं। इसकी उपस्थिति से मन और हृदय की ऋतु बदल जाते हैं। तीक्ष्ण गरमी से जले भुने व्यक्ति आचरण के काले बादलों की बूँदाबाँदी से शीतल हो जाते हैं। मानसोत्पन्न शरद ऋतु क्लेशातुर हुए पुरुष इसकी सुगंधमय अटल वसंत ऋतु के आनंद का पान करते हैं। आचरण के नेत्र के एक अश्रु से जगत भर के नेत्र भीग जाते हैं। आचरण के आनंद-नृत्य से उन्मदिष्णु होकर वृक्षों और पर्वतों तक के हृदय नृत्य करने लगते हैं। आचरण के मौन व्याख्यान से मनुष्य को एक नया जीवन प्राप्त होता है। नये-नये विचार स्वयं ही प्रकट होने लगते हैं। सूखे काष्ठ सचमुच ही हरे हो जाते हैं। सूखे कूपों में जल भर आता है। नये नेत्र मिलते हैं। कुल पदार्थों के साथ एक नया मैत्री-भाव फूट पड़ता है। सूर्य, जल, वायु, पुष्प, पत्थर, घास, पात, नर, नारी और बालक तक में एक अश्रुतपूर्व सुंदर मूर्ति के दर्शन होने लगते हैं। मौनरूपी व्याख्यान की महत्ता इतनी बलवती, इतनी अर्थवती और इतनी प्रभाववती होती है कि उसके सामने क्या मातृभाषा, क्या साहित्यभाषा और क्या अन्य देश की भाषा सब की सब तुच्छ प्रतीत होती हैं। अन्य कोई भाषा दिव्य नहीं, केवल आचरण की मौन भाषा ही ईश्वरीय है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: आचरण की क्या सदा मौन रहती है?

1. कार्य-कलाप

2. इनमें से कोई नहीं

3. सभ्यतामय भाषा

4. प्रवृतियाँ

Correct Answer :-

- सभ्यतामय भाषा

17) विद्या, कला, कविता, साहित्य, धन और राजस्व से भी आचरण की सभ्यता अधिक ज्योतिष्मती है। आचरण की सभ्यता को प्राप्त करके एक कंगाल आदमी राजाओं के दिलों पर भी अपना प्रभुत्व जमा सकता है। इस सभ्यता के दर्शन से कला, साहित्य, और संगीत को अद्‌भुत सिद्धि प्राप्त होती है। राग अधिक मृदु हो जाता है; विद्या का तीसरा शिव-नेत्र खुल जाता है, चित्र-कला का मौन राग अलापने लग जाता है; वक्ता चुप हो जाता है; लेखक की लेखनी थम जाती है; मूर्ति बनाने वाले के सामने नये कपोल, नये नयन और नयी छवि का दृश्य उपस्थित हो जाता है। आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का निघण्टु शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाममात्र के लिए भी शब्द नहीं। यह सभ्याचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, राग गाता हुआ भी राग के सुर के भीतर पड़ा है। मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से खुली हुई है। नम्रता, दया, प्रेम और उदारता सब के सब सभ्याचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थायी होता है और उसकी आत्मा का एक अंग हो जाता है।

न काला, न नीला, न पीला, न सफेद, न पूर्वी, न पश्चिमी, न उत्तरी, न दक्षिणी, बे-नाम, बे-निशान, बे-मकान, विशाल आत्मा के आचरण से मौन रूपिणी, सुगन्धि सदा प्रसारित हुआ करती है; इसके मौन से प्रसूत प्रेम और पवित्रता-धर्म सारे जगत का कल्याण करके विस्तृत होते हैं। इसकी उपस्थिति से मन और हृदय की ऋतु बदल जाते हैं। तीक्ष्ण गरमी से जले भुने व्यक्ति आचरण के काले बादलों की बूँदाबाँदी से शीतल हो जाते हैं। मानसोत्पन्न शरद ऋतु क्लेशातुर हुए पुरुष इसकी सुगंधमय अटल वसंत ऋतु के आनंद का पान करते हैं। आचरण के नेत्र के एक अश्रु से जगत भर के नेत्र भीग जाते हैं। आचरण के आनंद-नृत्य से उन्मदिष्णु होकर वृक्षों और पर्वतों तक के हृदय नृत्य करने लगते हैं। आचरण के मौन व्याख्यान से मनुष्य को एक नया जीवन प्राप्त होता है। नये-नये विचार स्वयं ही प्रकट होने लगते हैं। सूखे काष्ठ सचमुच ही हरे हो जाते हैं। सूखे कूपों में जल भर आता है। नये नेत्र मिलते हैं। कुल पदार्थों के साथ एक नया मैत्री-भाव फूट पड़ता है। सूर्य, जल, वायु, पुष्प, पत्थर, घास, पात, नर, नारी और बालक तक में एक अश्रुतपूर्व सुंदर मूर्ति के दर्शन होने लगते हैं। मौनरूपी व्याख्यान की महत्ता इतनी बलवती, इतनी अर्थवती और इतनी प्रभाववती होती है कि उसके सामने क्या मातृभाषा, क्या साहित्यभाषा और क्या अन्य देश की भाषा सब की सब तुच्छ प्रतीत होती हैं। अन्य कोई भाषा दिव्य नहीं, केवल आचरण की मौन भाषा ही ईश्वरीय है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: केवल आचरण की मौन भाषा ही क्या है?

1. ईश्वरीय

2. दानवीय

3. राजकीय

4. मानवीय

Correct Answer :-

- ईश्वरीय

18) विद्या, कला, कविता, साहित्य, धन और राजस्व से भी आचरण की सभ्यता अधिक ज्योतिष्मती है। आचरण की सभ्यता को प्राप्त करके एक कंगाल आदमी राजाओं के दिलों पर भी अपना प्रभुत्व जमा सकता है। इस सभ्यता के दर्शन से कला, साहित्य, और संगीत को अद्‌भुत सिद्धि प्राप्त होती है। राग अधिक मृदु हो जाता है; विद्या का तीसरा शिव-नेत्र खुल जाता है, चित्र-कला का मौन राग अलापने लग जाता है; वक्ता चुप हो जाता है; लेखक की लेखनी थम जाती है; मूर्ति बनाने वाले के सामने नये कपोल, नये नयन और नयी छवि का दृश्य उपस्थित हो जाता है। आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का निघण्टु शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाममात्र के लिए भी शब्द नहीं। यह सभ्याचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, राग गाता हुआ भी राग के सुर के भीतर पड़ा है। मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से खुली हुई है।

नम्रता, दया, प्रेम और उदारता सब के सब सभ्याचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थायी होता है और उसकी आत्मा का एक अंग हो जाता है।

न काला, न नीला, न पीला, न सफेद, न पूर्वी, न पश्चिमी, न उत्तरी, न दक्षिणी, बे-नाम, बे-निशान, बे-मकान, विशाल आत्मा के आचरण से मौन रूपिणी, सुगन्धि सदा प्रसारित हुआ करती है; इसके मौन से प्रसूत प्रेम और पवित्रता-धर्म सारे जगत का कल्याण करके विस्तृत होते हैं। इसकी उपस्थिति से मन और हृदय की ऋतु बदल जाते हैं। तीक्ष्ण गरमी से जले भुने व्यक्ति आचरण के काले बादलों की बूँदाबाँदी से शीतल हो जाते हैं। मानसोत्पन्न शरद ऋतु क्लेशातुर हुए पुरुष इसकी सुगंधमय अटल वसंत ऋतु के आनंद का पान करते हैं। आचरण के नेत्र के एक अश्रु से जगत भर के नेत्र भीग जाते हैं। आचरण के आनंद-नृत्य से उन्मदिष्णु होकर वृक्षों और पर्वतों तक के हृदय नृत्य करने लगते हैं। आचरण के मौन व्याख्यान से मनुष्य को एक नया जीवन प्राप्त होता है। नये-नये विचार स्वयं ही प्रकट होने लगते हैं। सूखे काष्ठ सचमुच ही हरे हो जाते हैं। सूखे कूपों में जल भर आता है। नये नेत्र मिलते हैं। कुल पदार्थों के साथ एक नया मैत्री-भाव फूट पड़ता है। सूर्य, जल, वायु, पुष्प, पत्थर, घास, पात, नर, नारी और बालक तक में एक अश्रुतपूर्व सुंदर मूर्ति के दर्शन होने लगते हैं। मौनरूपी व्याख्यान की महत्ता इतनी बलवती, इतनी अर्थवती और इतनी प्रभाववती होती है कि उसके सामने क्या मातृभाषा, क्या साहित्यभाषा और क्या अन्य देश की भाषा सब की सब तुच्छ प्रतीत होती हैं। अन्य कोई भाषा दिव्य नहीं, केवल आचरण की मौन भाषा ही ईश्वरीय है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: मातृभाषा, साहित्यभाषा और अन्य देश की भाषा क्या प्रतीत होती है?

1. तुच्छ

2. सत्य

3. बहुमूल्य

4. असत्य

Correct Answer :-

- तुच्छ

---

19) विद्या, कला, कविता, साहित्य, धन और राजस्व से भी आचरण की सभ्यता अधिक ज्योतिष्मती है। आचरण की सभ्यता को प्राप्त करके एक कंगाल आदमी राजाओं के दिलों पर भी अपना प्रभुत्व जमा सकता है। इस सभ्यता के दर्शन से कला, साहित्य, और संगीत को अद्‌भुत सिद्धि प्राप्त होती है। राग अधिक मृदु हो जाता है; विद्या का तीसरा शिव-नेत्र खुल जाता है, चित्र-कला का मौन राग अलापने लग जाता है; वक्ता चुप हो जाता है; लेखक की लेखनी थम जाती है; मूर्ति बनाने वाले के सामने नये कपोल, नये नयन और नयी छवि का दृश्य उपस्थित हो जाता है। आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का निघण्टु शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाममात्र के लिए भी शब्द नहीं। यह सभ्याचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, राग गाता हुआ भी राग के सुर के भीतर पड़ा है। मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से खुली हुई है। नम्रता, दया, प्रेम और उदारता सब के सब सभ्याचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थायी होता है और उसकी आत्मा का एक अंग हो जाता है।

न काला, न नीला, न पीला, न सफेद, न पूर्वी, न पश्चिमी, न उत्तरी, न दक्षिणी, बे-नाम, बे-निशान, बे-मकान, विशाल आत्मा के आचरण से मौन रूपिणी, सुगन्धि सदा प्रसारित हुआ करती है; इसके मौन से प्रसूत प्रेम और पवित्रता-धर्म सारे जगत का कल्याण करके विस्तृत होते हैं। इसकी उपस्थिति से मन और हृदय की ऋतु बदल जाते हैं। तीक्ष्ण गरमी से जले भुने व्यक्ति आचरण के काले बादलों की बूँदाबाँदी से शीतल हो जाते हैं। मानसोत्पन्न शरद ऋतु क्लेशातुर हुए पुरुष इसकी सुगंधमय अटल वसंत ऋतु के आनंद का पान करते हैं। आचरण के नेत्र के एक अश्रु से जगत भर के नेत्र भीग जाते हैं। आचरण के आनंद-नृत्य से उन्मदिष्णु होकर वृक्षों और पर्वतों तक के हृदय नृत्य करने लगते हैं। आचरण के मौन व्याख्यान से मनुष्य को एक नया जीवन प्राप्त होता है। नये-नये विचार स्वयं ही प्रकट होने लगते हैं। सूखे काष्ठ सचमुच ही हरे हो जाते हैं। सूखे कूपों में जल भर आता है। नये नेत्र मिलते हैं। कुल पदार्थों के साथ एक नया मैत्री-भाव फूट पड़ता है। सूर्य, जल, वायु, पुष्प, पत्थर, घास, पात, नर, नारी और बालक तक में एक अश्रुतपूर्व सुंदर मूर्ति के दर्शन होने लगते हैं। मौनरूपी व्याख्यान की महत्ता इतनी बलवती, इतनी अर्थवती और इतनी प्रभाववती होती है कि उसके सामने क्या मातृभाषा, क्या साहित्यभाषा और क्या अन्य देश की भाषा सब की सब तुच्छ प्रतीत होती हैं। अन्य कोई भाषा दिव्य नहीं, केवल आचरण की मौन भाषा ही ईश्वरीय है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: किसकी महत्ता बलवती, अर्थवती और प्रभाववती प्रतीत होती है?

1. कदाचार

2. मौनरूपी व्याख्यान

3. आचरण

4. सदाचार

Correct Answer :-

- मौनरूपी व्याख्यान

---

20) विद्या, कला, कविता, साहित्य, धन और राजस्व से भी आचरण की सभ्यता अधिक ज्योतिष्मती है। आचरण की सभ्यता को प्राप्त करके एक कंगाल आदमी राजाओं के दिलों पर भी अपना प्रभुत्व जमा सकता है। इस सभ्यता के दर्शन से कला, साहित्य, और संगीत को अद्‌भुत सिद्धि प्राप्त होती है। राग अधिक मृदु हो जाता है; विद्या का तीसरा शिव-नेत्र खुल जाता है, चित्र-कला का मौन राग अलापने लग जाता है; वक्ता चुप हो जाता है; लेखक की लेखनी थम जाती है; मूर्ति बनाने वाले के सामने नये कपोल, नये नयन और नयी छवि का दृश्य उपस्थित हो जाता है। आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का निघण्टु शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाममात्र के लिए भी शब्द नहीं। यह सभ्याचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, राग गाता हुआ भी राग के सुर के भीतर पड़ा है। मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से खुली हुई है। नम्रता, दया, प्रेम और उदारता सब के सब सभ्याचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थायी होता है और उसकी आत्मा का एक अंग हो जाता है।

न काला, न नीला, न पीला, न सफेद, न पूर्वी, न पश्चिमी, न उत्तरी, न दक्षिणी, बे-नाम, बे-निशान, बे-मकान, विशाल आत्मा के आचरण से मौन रूपिणी, सुगन्धि सदा प्रसारित हुआ करती है; इसके मौन से प्रसूत प्रेम और पवित्रता-धर्म सारे जगत का कल्याण करके विस्तृत होते हैं। इसकी उपस्थिति से मन और हृदय की ऋतु बदल जाते हैं। तीक्ष्ण गरमी से जले भुने व्यक्ति आचरण के काले बादलों की बूँदाबाँदी से शीतल हो जाते हैं। मानसोत्पन्न शरद ऋतु क्लेशातुर हुए पुरुष इसकी सुगंधमय अटल वसंत ऋतु के आनंद का पान करते हैं। आचरण के नेत्र के एक अश्रु से जगत भर के नेत्र भीग जाते हैं। आचरण के आनंद-नृत्य से उन्मदिष्णु होकर वृक्षों और पर्वतों तक के हृदय नृत्य करने लगते हैं। आचरण के मौन व्याख्यान से मनुष्य को एक नया जीवन प्राप्त होता है। नये-नये विचार स्वयं ही प्रकट होने लगते हैं। सूखे काष्ठ सचमुच ही हरे हो जाते हैं। सूखे कूपों में जल भर आता है। नये नेत्र मिलते हैं। कुल पदार्थों के साथ एक नया मैत्री-भाव फूट पड़ता है। सूर्य, जल, वायु, पुष्प, पत्थर, घास, पात, नर, नारी और बालक तक में एक अश्रुतपूर्व सुंदर मूर्ति के दर्शन होने लगते हैं। मौनरूपी व्याख्यान की महत्ता इतनी बलवती, इतनी अर्थवती और इतनी प्रभाववती होती है कि उसके सामने क्या मातृभाषा, क्या साहित्यभाषा और क्या अन्य देश की भाषा सब की सब तुच्छ प्रतीत होती हैं। अन्य कोई भाषा दिव्य नहीं, केवल आचरण की मौन भाषा ही ईश्वरीय है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: आचरण के इतने गुणों को बताने से क्या तात्पर्य है?

1. केवल व्यवहार बड़ी चीज़ है

2. केवल इससे हर कला में गहराई आती है

3. केवल नपा-तुला बोलना चाहिए

4. उपर्युक्त सभी

Correct Answer :-

- उपर्युक्त सभी

21) विद्या, कला, कविता, साहित्य, धन और राजस्व से भी आचरण की सभ्यता अधिक ज्योतिष्मती है। आचरण की सभ्यता को प्राप्त करके एक कंगाल आदमी राजाओं के दिलों पर भी अपना प्रभुत्व जमा सकता है। इस सभ्यता के दर्शन से कला, साहित्य, और संगीत को अद्‌भुत सिद्धि प्राप्त होती है। राग अधिक मृदु हो जाता है; विद्या का तीसरा शिव-नेत्र खुल जाता है, चित्र-कला का मौन राग अलापने लग जाता है; वक्ता चुप हो जाता है; लेखक की लेखनी थम जाती है; मूर्ति बनाने वाले के सामने नये कपोल, नये नयन और नयी छवि का दृश्य उपस्थित हो जाता है। आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का निघण्टु शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाममात्र के लिए भी शब्द नहीं। यह सभ्याचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, राग गाता हुआ भी राग के सुर के भीतर पड़ा है। मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से खुली हुई है। नम्रता, दया, प्रेम और उदारता सब के सब सभ्याचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थायी होता है और उसकी आत्मा का एक अंग हो जाता है।

न काला, न नीला, न पीला, न सफेद, न पूर्वी, न पश्चिमी, न उत्तरी, न दक्षिणी, बे-नाम, बे-निशान, बे-मकान, विशाल आत्मा के आचरण से मौन रूपिणी, सुगन्धि सदा प्रसारित हुआ करती है; इसके मौन से प्रसूत प्रेम और पवित्रता-धर्म सारे जगत का कल्याण करके विस्तृत होते हैं। इसकी उपस्थिति से मन और हृदय की ऋतु बदल जाते हैं। तीक्ष्ण गरमी से जले भुने व्यक्ति आचरण के काले बादलों की बूँदाबाँदी से शीतल हो जाते हैं। मानसोत्पन्न शरद ऋतु क्लेशातुर हुए पुरुष इसकी सुगंधमय अटल वसंत ऋतु के आनंद का पान करते हैं। आचरण के नेत्र के एक अश्रु से जगत भर के नेत्र भीग जाते हैं। आचरण के आनंद-नृत्य से उन्मदिष्णु होकर वृक्षों और पर्वतों तक के हृदय नृत्य करने लगते हैं। आचरण के मौन व्याख्यान से मनुष्य को एक नया जीवन प्राप्त होता है। नये-नये विचार स्वयं ही प्रकट होने लगते हैं। सूखे काष्ठ सचमुच ही हरे हो जाते हैं। सूखे कूपों में जल भर आता है। नये नेत्र मिलते हैं। कुल पदार्थों के साथ एक नया मैत्री-भाव फूट पड़ता है। सूर्य, जल, वायु, पुष्प, पत्थर, घास, पात, नर, नारी और बालक तक में एक अश्रुतपूर्व सुंदर मूर्ति के दर्शन होने लगते हैं। मौनरूपी व्याख्यान की महत्ता इतनी बलवती, इतनी अर्थवती और इतनी प्रभाववती होती है कि उसके सामने क्या मातृभाषा, क्या साहित्यभाषा और क्या अन्य देश की भाषा सब की सब तुच्छ प्रतीत होती हैं। अन्य कोई भाषा दिव्य नहीं, केवल आचरण की मौन भाषा ही ईश्वरीय है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: नम्रता, दया, प्रेम और उदारता सब के सब सभ्याचरण की भाषा के क्या हैं?

1. मौन व्याख्यान

2. मधुर वार्तालाप

3. मधुरता के स्रोत

4. असली व्याकरण

Correct Answer :-

- मौन व्याख्यान

22) विद्या, कला, कविता, साहित्य, धन और राजस्व से भी आचरण की सभ्यता अधिक ज्योतिष्मती है। आचरण की सभ्यता को प्राप्त करके एक कंगाल आदमी राजाओं के दिलों पर भी अपना प्रभुत्व जमा सकता है। इस सभ्यता के दर्शन से कला, साहित्य, और संगीत को अद्‌भुत सिद्धि प्राप्त होती है। राग अधिक मृदु हो जाता है; विद्या का तीसरा शिव-नेत्र खुल जाता है, चित्र-कला का मौन राग अलापने लग जाता है; वक्ता चुप हो जाता है; लेखक की लेखनी थम जाती है; मूर्ति बनाने वाले के सामने नये कपोल, नये नयन और नयी छवि का दृश्य उपस्थित हो जाता है। आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का निघण्टु शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाममात्र के लिए भी शब्द नहीं। यह सभ्याचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, राग गाता हुआ भी राग के सुर के भीतर पड़ा है। मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से खुली हुई है। नम्रता, दया, प्रेम और उदारता सब के सब सभ्याचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थायी होता है और उसकी आत्मा का एक अंग हो जाता है।

न काला, न नीला, न पीला, न सफेद, न पूर्वी, न पश्चिमी, न उत्तरी, न दक्षिणी, बे-नाम, बे-निशान, बे-मकान, विशाल आत्मा के आचरण से मौन रूपिणी, सुगन्धि सदा प्रसारित हुआ करती है; इसके मौन से प्रसूत प्रेम और पवित्रता-धर्म सारे जगत का कल्याण करके विस्तृत होते हैं। इसकी उपस्थिति से मन और हृदय की ऋतु बदल जाते हैं। तीक्ष्ण गरमी से जले भुने व्यक्ति आचरण के काले बादलों की बूँदाबाँदी से शीतल हो जाते हैं। मानसोत्पन्न शरद ऋतु क्लेशातुर हुए पुरुष इसकी सुगंधमय अटल वसंत ऋतु के आनंद का पान करते हैं। आचरण के नेत्र के एक अश्रु से जगत भर के नेत्र भीग जाते हैं। आचरण के आनंद-नृत्य से उन्मदिष्णु होकर वृक्षों और पर्वतों तक के हृदय नृत्य करने लगते हैं। आचरण के मौन व्याख्यान से मनुष्य को एक नया जीवन प्राप्त होता है। नये-नये विचार स्वयं ही प्रकट होने लगते हैं। सूखे काष्ठ सचमुच ही हरे हो जाते हैं। सूखे कूपों में जल भर आता है। नये नेत्र मिलते हैं। कुल पदार्थों के साथ एक नया मैत्री-भाव फूट पड़ता है। सूर्य, जल, वायु, पुष्प, पत्थर, घास, पात, नर, नारी और बालक तक में एक अश्रुतपूर्व सुंदर मूर्ति के दर्शन होने लगते हैं। मौनरूपी व्याख्यान की महत्ता इतनी बलवती, इतनी अर्थवती और इतनी प्रभाववती होती है कि उसके सामने क्या मातृभाषा, क्या साहित्यभाषा और क्या अन्य देश की भाषा सब की सब तुच्छ प्रतीत होती हैं। अन्य कोई भाषा दिव्य नहीं, केवल आचरण की मौन भाषा ही ईश्वरीय है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: कंगाल आदमी राजाओं के दिल पर क्या जमा सकता है?

1. प्रभुत्व

2. कलंक

3. दया

4. प्रभाव

Correct Answer :-

- प्रभुत्व

23) विद्या, कला, कविता, साहित्य, धन और राजस्व से भी आचरण की सभ्यता अधिक ज्योतिष्मती है। आचरण की सभ्यता को प्राप्त करके एक कंगाल आदमी राजाओं के दिलों पर भी अपना प्रभुत्व जमा सकता है। इस सभ्यता के दर्शन से कला, साहित्य, और संगीत को अद्‌भुत सिद्धि प्राप्त होती है। राग अधिक मृदु हो जाता है; विद्या का तीसरा शिव-नेत्र खुल जाता है, चित्र-कला का मौन राग अलापने लग जाता है; वक्ता चुप हो जाता है; लेखक की लेखनी थम जाती है; मूर्ति बनाने वाले के सामने नये कपोल, नये नयन और नयी छवि का दृश्य उपस्थित हो जाता है। आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का निघण्टु शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाममात्र के लिए भी शब्द नहीं। यह सभ्याचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, राग गाता हुआ भी राग के सुर के भीतर पड़ा है। मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से खुली हुई है। नम्रता, दया, प्रेम और उदारता सब के सब सभ्याचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थायी होता है और उसकी आत्मा का एक अंग हो जाता है।

न काला, न नीला, न पीला, न सफेद, न पूर्वी, न पश्चिमी, न उत्तरी, न दक्षिणी, बे-नाम, बे-निशान, बे-मकान, विशाल आत्मा के आचरण से मौन रूपिणी, सुगन्धि सदा प्रसारित हुआ करती है; इसके मौन से प्रसूत प्रेम और पवित्रता-धर्म सारे जगत का कल्याण करके विस्तृत होते हैं। इसकी उपस्थिति से मन और हृदय की ऋतु बदल जाते हैं। तीक्ष्ण गरमी से जले भुने व्यक्ति आचरण के काले बादलों की बूँदाबाँदी से शीतल हो जाते हैं। मानसोत्पन्न शरद ऋतु क्लेशातुर हुए पुरुष इसकी सुगंधमय अटल वसंत ऋतु के आनंद का पान करते हैं। आचरण के नेत्र के एक अश्रु से जगत भर के नेत्र भीग जाते हैं। आचरण के आनंद-नृत्य से उन्मदिष्णु होकर वृक्षों और पर्वतों तक के हृदय नृत्य करने लगते हैं। आचरण के मौन व्याख्यान से मनुष्य को एक नया जीवन प्राप्त होता है। नये-नये विचार स्वयं ही प्रकट होने लगते हैं। सूखे काष्ठ सचमुच ही हरे हो जाते हैं। सूखे कूपों में जल भर आता है। नये नेत्र मिलते हैं। कुल पदार्थों के साथ एक नया मैत्री-भाव फूट पड़ता है। सूर्य, जल, वायु, पुष्प, पत्थर, घास, पात, नर, नारी और बालक तक में एक अश्रुतपूर्व सुंदर मूर्ति के दर्शन होने लगते हैं। मौनरूपी व्याख्यान की महत्ता इतनी बलवती, इतनी अर्थवती और इतनी प्रभाववती होती है कि उसके सामने क्या मातृभाषा, क्या साहित्यभाषा और क्या अन्य देश की भाषा सब की सब तुच्छ प्रतीत होती हैं। अन्य कोई भाषा दिव्य नहीं, केवल आचरण की मौन भाषा ही ईश्वरीय है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: मौन से प्रसूत प्रेम सारे दुनिया का कल्याण करके क्या होते हैं?

1. परिष्कृत

2. अवतरित

3. विस्तृत

4. निवृत्त

Correct Answer :-

- विस्तृत

24) विद्या, कला, कविता, साहित्य, धन और राजस्व से भी आचरण की सभ्यता अधिक ज्योतिष्मती है। आचरण की सभ्यता को प्राप्त करके एक कंगाल आदमी राजाओं के दिलों पर भी अपना प्रभुत्व जमा सकता है। इस सभ्यता के दर्शन से कला, साहित्य, और संगीत को अद्‌भुत सिद्धि प्राप्त होती है। राग अधिक मृदु हो जाता है; विद्या का तीसरा शिव-नेत्र खुल जाता है, चित्र-कला का मौन राग अलापने लग जाता है; वक्ता चुप हो जाता है; लेखक की लेखनी थम जाती है; मूर्ति बनाने वाले के सामने नये कपोल, नये नयन और नयी छवि का दृश्य उपस्थित हो जाता है। आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का निघण्टु शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाममात्र के लिए भी शब्द नहीं। यह सभ्याचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, राग गाता हुआ भी राग के सुर के भीतर पड़ा है। मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से खुली हुई है। नम्रता, दया, प्रेम और उदारता सब के सब सभ्याचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थायी होता है और उसकी आत्मा का एक अंग हो जाता है।

न काला, न नीला, न पीला, न सफेद, न पूर्वी, न पश्चिमी, न उत्तरी, न दक्षिणी, बे-नाम, बे-निशान, बे-मकान, विशाल आत्मा के आचरण से मौन रूपिणी, सुगन्धि सदा प्रसारित हुआ करती है; इसके मौन से प्रसूत प्रेम और पवित्रता-धर्म सारे जगत का कल्याण करके विस्तृत होते हैं। इसकी उपस्थिति से मन और हृदय की ऋतु बदल जाते हैं। तीक्ष्ण गरमी से जले भुने व्यक्ति आचरण के काले बादलों की बूँदाबाँदी से शीतल हो जाते हैं। मानसोत्पन्न शरद ऋतु क्लेशातुर हुए पुरुष इसकी सुगंधमय अटल वसंत ऋतु के आनंद का पान करते हैं। आचरण के नेत्र के एक अश्रु से जगत भर के नेत्र भीग जाते हैं। आचरण के आनंद-नृत्य से उन्मदिष्णु होकर वृक्षों और पर्वतों तक के हृदय नृत्य करने लगते हैं। आचरण के मौन व्याख्यान से मनुष्य को एक नया जीवन प्राप्त होता है। नये-नये विचार स्वयं ही प्रकट होने लगते हैं। सूखे काष्ठ सचमुच ही हरे हो जाते हैं। सूखे कूपों में जल भर आता है। नये नेत्र मिलते हैं। कुल पदार्थों के साथ एक नया मैत्री-भाव फूट पड़ता है। सूर्य, जल, वायु, पुष्प, पत्थर, घास, पात, नर, नारी और बालक तक में एक अश्रुतपूर्व सुंदर मूर्ति के दर्शन होने लगते हैं। मौनरूपी व्याख्यान की महत्ता इतनी बलवती, इतनी अर्थवती और इतनी प्रभाववती होती है कि उसके सामने क्या मातृभाषा, क्या साहित्यभाषा और क्या अन्य देश की भाषा सब की सब तुच्छ प्रतीत होती हैं। अन्य कोई भाषा दिव्य नहीं, केवल आचरण की मौन भाषा ही ईश्वरीय है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: विद्या, कला, कविता, साहित्य से अधिक ज्योतिष्मती क्या है?

1. सिंधुघाटी सभ्यता

2. दजला-फुरात

3. आचरण की सभ्यता

4. मोसोपोटामिया की सभ्यता

Correct Answer :-

- आचरण की सभ्यता

25) विद्या, कला, कविता, साहित्य, धन और राजस्व से भी आचरण की सभ्यता अधिक ज्योतिष्मती है। आचरण की सभ्यता को प्राप्त करके एक कंगाल आदमी राजाओं के दिलों पर भी अपना प्रभुत्व जमा सकता है। इस सभ्यता के दर्शन से कला, साहित्य, और संगीत को अद्‌भुत सिद्धि प्राप्त होती है। राग अधिक मृदु हो जाता है; विद्या का तीसरा शिव-नेत्र खुल जाता है, चित्र-कला का मौन राग अलापने लग जाता है; वक्ता चुप हो जाता है; लेखक की लेखनी थम जाती है; मूर्ति बनाने वाले के सामने नये कपोल, नये नयन और नयी छवि का दृश्य उपस्थित हो जाता है। आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का निघण्टु शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाममात्र के लिए भी शब्द नहीं। यह सभ्याचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, राग गाता हुआ भी राग के सुर के भीतर पड़ा है। मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से खुली हुई है। नम्रता, दया, प्रेम और उदारता सब के सब सभ्याचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थायी होता है और उसकी आत्मा का एक अंग हो जाता है।

न काला, न नीला, न पीला, न सफेद, न पूर्वी, न पश्चिमी, न उत्तरी, न दक्षिणी, बे-नाम, बे-निशान, बे-मकान, विशाल आत्मा के आचरण से मौन रूपिणी, सुगन्धि सदा प्रसारित हुआ करती है; इसके मौन से प्रसूत प्रेम और पवित्रता-धर्म सारे जगत का कल्याण करके विस्तृत होते हैं। इसकी उपस्थिति से मन और हृदय की ऋतु बदल जाते हैं। तीक्ष्ण गरमी से जले भुने व्यक्ति आचरण के काले बादलों की बूँदाबाँदी से शीतल हो जाते हैं। मानसोत्पन्न शरद ऋतु क्लेशातुर हुए पुरुष इसकी सुगंधमय अटल वसंत ऋतु के आनंद का पान करते हैं। आचरण के नेत्र के एक अश्रु से जगत भर के नेत्र भीग जाते हैं। आचरण के आनंद-नृत्य से उन्मदिष्णु होकर वृक्षों और पर्वतों तक के हृदय नृत्य करने लगते हैं। आचरण के मौन व्याख्यान से मनुष्य को एक नया जीवन प्राप्त होता है। नये-नये विचार स्वयं ही प्रकट होने लगते हैं। सूखे काष्ठ सचमुच ही हरे हो जाते हैं। सूखे कूपों में जल भर आता है। नये नेत्र मिलते हैं। कुल पदार्थों के साथ एक नया मैत्री-भाव फूट पड़ता है। सूर्य, जल, वायु, पुष्प, पत्थर, घास, पात, नर, नारी और बालक तक में एक अश्रुतपूर्व सुंदर मूर्ति के दर्शन होने लगते हैं। मौनरूपी व्याख्यान की महत्ता इतनी बलवती, इतनी अर्थवती और इतनी प्रभाववती होती है कि उसके सामने क्या मातृभाषा, क्या साहित्यभाषा और क्या अन्य देश की भाषा सब की सब तुच्छ प्रतीत होती हैं। अन्य कोई भाषा दिव्य नहीं, केवल आचरण की मौन भाषा ही ईश्वरीय है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: तीक्ष्ण गरमी से जले भुने व्यक्ति आचरण के किस गुण से शीतल हो जाते हैं?

1. पानी पिलाने से

2. खाना खिलाने से

3. मरहम-पट्टी से

4. काले बादलों की बूँदाबाँदी से

Correct Answer :-

- काले बादलों की बूँदाबाँदी से

26) विद्या, कला, कविता, साहित्य, धन और राजस्व से भी आचरण की सभ्यता अधिक ज्योतिष्मती है। आचरण की सभ्यता को प्राप्त करके एक कंगाल आदमी राजाओं के दिलों पर भी अपना प्रभुत्व जमा सकता है। इस सभ्यता के दर्शन से कला, साहित्य, और संगीत को अद्‌भुत सिद्धि प्राप्त होती है। राग अधिक मृदु हो जाता है; विद्या का तीसरा शिव-नेत्र खुल जाता है, चित्र-कला का मौन राग अलापने लग जाता है; वक्ता चुप हो जाता है; लेखक की लेखनी थम जाती है; मूर्ति बनाने वाले के सामने नये कपोल, नये नयन और नयी छवि का दृश्य उपस्थित हो जाता है। आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का निघण्टु शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाममात्र के लिए भी शब्द नहीं। यह सभ्याचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, राग गाता हुआ भी राग के सुर के भीतर पड़ा है। मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से खुली हुई है। नम्रता, दया, प्रेम और उदारता सब के सब सभ्याचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थायी होता है और उसकी आत्मा का एक अंग हो जाता है।

न काला, न नीला, न पीला, न सफेद, न पूर्वी, न पश्चिमी, न उत्तरी, न दक्षिणी, बे-नाम, बे-निशान, बे-मकान, विशाल आत्मा के आचरण से मौन रूपिणी, सुगन्धि सदा प्रसारित हुआ करती है; इसके मौन से प्रसूत प्रेम और पवित्रता-धर्म सारे जगत का कल्याण करके विस्तृत होते हैं। इसकी उपस्थिति से मन और हृदय की ऋतु बदल जाते हैं। तीक्ष्ण गरमी से जले भुने व्यक्ति आचरण के काले बादलों की बूँदाबाँदी से शीतल हो जाते हैं। मानसोत्पन्न शरद ऋतु क्लेशातुर हुए पुरुष इसकी सुगंधमय अटल वसंत ऋतु के आनंद का पान करते हैं। आचरण के नेत्र के एक अश्रु से जगत भर के नेत्र भीग जाते हैं। आचरण के आनंद-नृत्य से उन्मदिष्णु होकर वृक्षों और पर्वतों तक के हृदय नृत्य करने लगते हैं। आचरण के मौन व्याख्यान से मनुष्य को एक नया जीवन प्राप्त होता है। नये-नये विचार स्वयं ही प्रकट होने लगते हैं। सूखे काष्ठ सचमुच ही हरे हो जाते हैं। सूखे कूपों में जल भर आता है। नये नेत्र मिलते हैं। कुल पदार्थों के साथ एक नया मैत्री-भाव फूट पड़ता है। सूर्य, जल, वायु, पुष्प, पत्थर, घास, पात, नर, नारी और बालक तक में एक अश्रुतपूर्व सुंदर मूर्ति के दर्शन होने लगते हैं। मौनरूपी व्याख्यान की महत्ता इतनी बलवती, इतनी अर्थवती और इतनी प्रभाववती होती है कि उसके सामने क्या मातृभाषा, क्या साहित्यभाषा और क्या अन्य देश की भाषा सब की सब तुच्छ प्रतीत होती हैं। अन्य कोई भाषा दिव्य नहीं, केवल आचरण की मौन भाषा ही ईश्वरीय है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: कुल पदार्थों के साथ क्या नया फूट पड़ता है?

1. शत्रु-भाव

2. दास्य भाव

3. मैत्री-भाव

4. सख्य भाव

Correct Answer :-

- मैत्री-भाव

27) विद्या, कला, कविता, साहित्य, धन और राजस्व से भी आचरण की सभ्यता अधिक ज्योतिष्मती है। आचरण की सभ्यता को प्राप्त करके एक कंगाल आदमी राजाओं के दिलों पर भी अपना प्रभुत्व जमा सकता है। इस सभ्यता के दर्शन से कला, साहित्य, और संगीत को अद्‌भुत सिद्धि प्राप्त होती है। राग अधिक मृदु हो जाता है; विद्या का तीसरा शिव-नेत्र खुल जाता है, चित्र-कला का मौन राग अलापने लग जाता है; वक्ता चुप हो जाता है; लेखक की लेखनी थम जाती है; मूर्ति बनाने वाले के सामने नये कपोल, नये नयन और नयी छवि का दृश्य उपस्थित हो जाता है। आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का निघण्टु शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाममात्र के लिए भी शब्द नहीं। यह सभ्याचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, राग गाता हुआ भी राग के सुर के भीतर पड़ा है। मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से खुली हुई है। नम्रता, दया, प्रेम और उदारता सब के सब सभ्याचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थायी होता है और उसकी आत्मा का एक अंग हो जाता है।

न काला, न नीला, न पीला, न सफेद, न पूर्वी, न पश्चिमी, न उत्तरी, न दक्षिणी, बे-नाम, बे-निशान, बे-मकान, विशाल आत्मा के आचरण से मौन रूपिणी, सुगन्धि सदा प्रसारित हुआ करती है; इसके मौन से प्रसूत प्रेम और पवित्रता-धर्म सारे जगत का कल्याण करके विस्तृत होते हैं। इसकी उपस्थिति से मन और हृदय की ऋतु बदल जाते हैं। तीक्ष्ण गरमी से जले भुने व्यक्ति आचरण के काले बादलों की बूँदाबाँदी से शीतल हो जाते हैं। मानसोत्पन्न शरद ऋतु क्लेशातुर हुए पुरुष इसकी सुगंधमय अटल वसंत ऋतु के आनंद का पान करते हैं। आचरण के नेत्र के एक अश्रु से जगत भर के नेत्र भीग जाते हैं। आचरण के आनंद-नृत्य से उन्मदिष्णु होकर वृक्षों और पर्वतों तक के हृदय नृत्य करने लगते हैं। आचरण के मौन व्याख्यान से मनुष्य को एक नया जीवन प्राप्त होता है। नये-नये विचार स्वयं ही प्रकट होने लगते हैं। सूखे काष्ठ सचमुच ही हरे हो जाते हैं। सूखे कूपों में जल भर आता है। नये नेत्र मिलते हैं। कुल पदार्थों के साथ एक नया मैत्री-भाव फूट पड़ता है। सूर्य, जल, वायु, पुष्प, पत्थर, घास, पात, नर, नारी और बालक तक में एक अश्रुतपूर्व सुंदर मूर्ति के दर्शन होने लगते हैं। मौनरूपी व्याख्यान की महत्ता इतनी बलवती, इतनी अर्थवती और इतनी प्रभाववती होती है कि उसके सामने क्या मातृभाषा, क्या साहित्यभाषा और क्या अन्य देश की भाषा सब की सब तुच्छ प्रतीत होती हैं। अन्य कोई भाषा दिव्य नहीं, केवल आचरण की मौन भाषा ही ईश्वरीय है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: इस सभ्यता के दर्शन से कला, साहित्य, और संगीत को क्या प्राप्त होती है?

1. अद्‌भुत सिद्‌धि

2. धन लाभ

3. वस्तु लाभ

4. यश लाभ

Correct Answer :-

- अद्‌भुत सिद्‌धि

28) विद्या, कला, कविता, साहित्य, धन और राजस्व से भी आचरण की सभ्यता अधिक ज्योतिष्मती है। आचरण की सभ्यता को प्राप्त करके एक कंगाल आदमी राजाओं के दिलों पर भी अपना प्रभुत्व जमा सकता है। इस सभ्यता के दर्शन से कला, साहित्य, और संगीत को अद्‌भुत सिद्धि प्राप्त होती है। राग अधिक मृदु हो जाता है; विद्या का तीसरा शिव-नेत्र खुल जाता है, चित्र-कला का मौन राग अलापने लग जाता है; वक्ता चुप हो जाता है; लेखक की लेखनी थम जाती है; मूर्ति बनाने वाले के सामने नये कपोल, नये नयन और नयी छवि का दृश्य उपस्थित हो जाता है। आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का निघण्टु शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाममात्र के लिए भी शब्द नहीं। यह सभ्याचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, राग गाता हुआ भी राग के सुर के भीतर पड़ा है। मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से खुली हुई है। नम्रता, दया, प्रेम और उदारता सब के सब सभ्याचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थायी होता है और उसकी आत्मा का एक अंग हो जाता है।

न काला, न नीला, न पीला, न सफेद, न पूर्वी, न पश्चिमी, न उत्तरी, न दक्षिणी, बे-नाम, बे-निशान, बे-मकान, विशाल आत्मा के आचरण से मौन रूपिणी, सुगन्धि सदा प्रसारित हुआ करती है; इसके मौन से प्रसूत प्रेम और पवित्रता-धर्म सारे जगत का कल्याण करके विस्तृत होते हैं। इसकी उपस्थिति से मन और हृदय की ऋतु बदल जाते हैं। तीक्ष्ण गरमी से जले भुने व्यक्ति

आचरण के काले बादलों की बूँदाबाँदी से शीतल हो जाते हैं। मानसोत्पन्न शरद ऋतु क्लेशातुर हुए पुरुष इसकी सुगंधमय अटल वसंत ऋतु के आनंद का पान करते हैं। आचरण के नेत्र के एक अश्रु से जगत भर के नेत्र भीग जाते हैं। आचरण के आनंद-नृत्य से उन्मदिष्णु होकर वृक्षों और पर्वतों तक के हृदय नृत्य करने लगते हैं। आचरण के मौन व्याख्यान से मनुष्य को एक नया जीवन प्राप्त होता है। नये-नये विचार स्वयं ही प्रकट होने लगते हैं। सूखे काष्ठ सचमुच ही हरे हो जाते हैं। सूखे कूपों में जल भर आता है। नये नेत्र मिलते हैं। कुल पदार्थों के साथ एक नया मैत्री-भाव फूट पड़ता है। सूर्य, जल, वायु, पुष्प, पत्थर, घास, पात, नर, नारी और बालक तक में एक अश्रुतपूर्व सुंदर मूर्ति के दर्शन होने लगते हैं। मौनरूपी व्याख्यान की महत्ता इतनी बलवती, इतनी अर्थवती और इतनी प्रभाववती होती है कि उसके सामने क्या मातृभाषा, क्या साहित्यभाषा और क्या अन्य देश की भाषा सब की सब तुच्छ प्रतीत होती हैं। अन्य कोई भाषा दिव्य नहीं, केवल आचरण की मौन भाषा ही ईश्वरीय है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: मौन व्याख्यान का प्रभाव क्या होता है?

1. सकारात्मक

2. चिरस्थायी

3. नकारात्मक

4. अस्थायी

Correct Answer :-

- चिरस्थायी

29) विद्या, कला, कविता, साहित्य, धन और राजस्व से भी आचरण की सभ्यता अधिक ज्योतिष्मती है। आचरण की सभ्यता को प्राप्त करके एक कंगाल आदमी राजाओं के दिलों पर भी अपना प्रभुत्व जमा सकता है। इस सभ्यता के दर्शन से कला, साहित्य, और संगीत को अद्‌भुत सिद्धि प्राप्त होती है। राग अधिक मृदु हो जाता है; विद्या का तीसरा शिव-नेत्र खुल जाता है, चित्र-कला का मौन राग अलापने लग जाता है; वक्ता चुप हो जाता है; लेखक की लेखनी थम जाती है; मूर्ति बनाने वाले के सामने नये कपोल, नये नयन और नयी छवि का दृश्य उपस्थित हो जाता है। आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का निघण्टु शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाममात्र के लिए भी शब्द नहीं। यह सभ्याचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, राग गाता हुआ भी राग के सुर के भीतर पड़ा है। मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से खुली हुई है। नम्रता, दया, प्रेम और उदारता सब के सब सभ्याचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थायी होता है और उसकी आत्मा का एक अंग हो जाता है।

न काला, न नीला, न पीला, न सफेद, न पूर्वी, न पश्चिमी, न उत्तरी, न दक्षिणी, बे-नाम, बे-निशान, बे-मकान, विशाल आत्मा के आचरण से मौन रूपिणी, सुगन्धि सदा प्रसारित हुआ करती है; इसके मौन से प्रसूत प्रेम और पवित्रता-धर्म सारे जगत का कल्याण करके विस्तृत होते हैं। इसकी उपस्थिति से मन और हृदय की ऋतु बदल जाते हैं। तीक्ष्ण गरमी से जले भुने व्यक्ति आचरण के काले बादलों की बूँदाबाँदी से शीतल हो जाते हैं। मानसोत्पन्न शरद ऋतु क्लेशातुर हुए पुरुष इसकी सुगंधमय अटल वसंत ऋतु के आनंद का पान करते हैं। आचरण के नेत्र के एक अश्रु से जगत भर के नेत्र भीग जाते हैं। आचरण के आनंद-नृत्य से उन्मदिष्णु होकर वृक्षों और पर्वतों तक के हृदय नृत्य करने लगते हैं। आचरण के मौन व्याख्यान से मनुष्य को एक नया जीवन प्राप्त होता है। नये-नये विचार स्वयं ही प्रकट होने लगते हैं। सूखे काष्ठ सचमुच ही हरे हो जाते हैं। सूखे कूपों में जल भर आता है। नये नेत्र मिलते हैं। कुल पदार्थों के साथ एक नया मैत्री-भाव फूट पड़ता है। सूर्य, जल, वायु, पुष्प, पत्थर, घास, पात, नर, नारी और बालक तक में एक अश्रुतपूर्व सुंदर मूर्ति के दर्शन होने लगते हैं। मौनरूपी व्याख्यान की महत्ता इतनी बलवती, इतनी अर्थवती और इतनी प्रभाववती होती है कि उसके सामने क्या मातृभाषा, क्या साहित्यभाषा और क्या अन्य देश की भाषा सब की सब तुच्छ प्रतीत होती हैं। अन्य कोई भाषा दिव्य नहीं, केवल आचरण की मौन भाषा ही ईश्वरीय है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: आचरण की सभ्यता में नाम मात्र के लिए भी क्या नहीं है?

1. अर्थ

2. धर्म

3. यश

4. शब्द

Correct Answer :-

- शब्द

30) विद्या, कला, कविता, साहित्य, धन और राजस्व से भी आचरण की सभ्यता अधिक ज्योतिष्मती है। आचरण की सभ्यता को प्राप्त करके एक कंगाल आदमी राजाओं के दिलों पर भी अपना प्रभुत्व जमा सकता है। इस सभ्यता के दर्शन से कला, साहित्य, और संगीत को अद्‌भुत सिद्धि प्राप्त होती है। राग अधिक मृदु हो जाता है; विद्या का तीसरा शिव-नेत्र खुल जाता है, चित्र-कला का मौन राग अलापने लग जाता है; वक्ता चुप हो जाता है; लेखक की लेखनी थम जाती है; मूर्ति बनाने वाले के सामने नये कपोल, नये नयन और नयी छवि का दृश्य उपस्थित हो जाता है। आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का निघण्टु शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाममात्र के लिए भी शब्द नहीं। यह सभ्याचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, राग गाता हुआ भी राग के सुर के भीतर पड़ा है। मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से खुली हुई है। नम्रता, दया, प्रेम और उदारता सब के सब सभ्याचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थायी होता है और उसकी आत्मा का एक अंग हो जाता है।

न काला, न नीला, न पीला, न सफेद, न पूर्वी, न पश्चिमी, न उत्तरी, न दक्षिणी, बे-नाम, बे-निशान, बे-मकान, विशाल आत्मा के आचरण से मौन रूपिणी, सुगन्धि सदा प्रसारित हुआ करती है; इसके मौन से प्रसूत प्रेम और पवित्रता-धर्म सारे जगत का कल्याण करके विस्तृत होते हैं। इसकी उपस्थिति से मन और हृदय की ऋतु बदल जाते हैं। तीक्ष्ण गरमी से जले भुने व्यक्ति आचरण के काले बादलों की बूँदाबाँदी से शीतल हो जाते हैं। मानसोत्पन्न शरद ऋतु क्लेशातुर हुए पुरुष इसकी सुगंधमय अटल वसंत ऋतु के आनंद का पान करते हैं। आचरण के नेत्र के एक अश्रु से जगत भर के नेत्र भीग जाते हैं। आचरण के आनंद-नृत्य से उन्मदिष्णु होकर वृक्षों और पर्वतों तक के हृदय नृत्य करने लगते हैं। आचरण के मौन व्याख्यान से मनुष्य को एक नया जीवन प्राप्त होता है। नये-नये विचार स्वयं ही प्रकट होने लगते हैं। सूखे काष्ठ सचमुच ही हरे हो जाते हैं। सूखे कूपों में जल भर आता है। नये नेत्र मिलते हैं। कुल पदार्थों के साथ एक नया मैत्री-भाव फूट पड़ता है। सूर्य, जल, वायु, पुष्प, पत्थर, घास, पात, नर, नारी और बालक तक में एक अश्रुतपूर्व सुंदर मूर्ति के दर्शन होने लगते हैं। मौनरूपी व्याख्यान की महत्ता इतनी बलवती, इतनी अर्थवती और इतनी प्रभाववती होती है कि उसके सामने क्या मातृभाषा, क्या साहित्यभाषा और क्या अन्य देश की भाषा सब की सब तुच्छ प्रतीत होती हैं। अन्य कोई भाषा दिव्य नहीं, केवल आचरण की मौन भाषा ही ईश्वरीय है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर नीचे पूछे गए प्रश्न का उत्तर बताइए।

प्रश्न: आचरण की सभ्यता से विद्या का क्या खुल जाता है?

1. जनमार्ग

2. राजमार्ग

3. तीसरा शिव-नेत्र

4. दूसरी आँख

Correct Answer :-

- तीसरा शिव-नेत्र

Topic:- General Sanskrit(L2GS)

1)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

देवः श्रीकृष्णः गोकुले आसीत् । नन्दगोपस्य पत्नी यशोदा श्रीकृष्णं मातृवात्सल्येन पोषयति स्म। श्रीकृष्णस्य ज्येष्ठः भ्राता बलरामः वसुदेवस्य पत्न्याः रोहिण्याः पुत्रः। सोऽपि गोकुले श्रीकृष्णेन सममेव अवर्धत। श्रीकृष्णस्य मातुलः कंसः मथुरायां राज्यं पर्यपालयत्। दुष्टः सः बहुविधैः उपायैः श्रीकृष्णं मारयितुं प्रायतत। परन्तु श्रीकृष्णं हन्तुं नाशक्नोत्। अन्ते सः एकमुपायम् अचिन्तयत्। धनुर्यागव्याजेन श्रीकृष्णबलरामौ मथुराम् आनाय्य तौ हन्तुम् उपायम् अकरोत्। महामात्यम् अक्रूरं तावाह्वातुं गोकुलं प्राहिणोत्। अक्रूरः महान् श्रीकृष्णभक्तः। कंसस्य कपटबुद्धिं वञ्चकतां च जानाति स्म। परन्तु अनन्यगतिकः अक्रूरः राजाज्ञां पुरस्कृत्य गोकुलमगच्छत् ।

अक्रूरः श्रीकृष्णस्य समीपं गत्वावदत् - हे कृष्ण ! भवान् मथुराम् आगच्छतु । तव मातुलः कंसः धनुर्यागार्थम् भवन्तौ श्रीकृष्णबलरामावाह्वयतीति । मातुलस्य कपटबुद्धिं जानन्तावपि श्रीकृष्णबलरामौ तस्य आह्वानम् अमन्येताम्।

विदितवृत्तान्ताः गोपिकाः तत्र समागच्छन् । ताः श्रीकृष्णम् एवम् अवदन् - प्रभो कृष्ण ! त्वं मथुरां मा गच्छ । इहैव तिष्ठ । अन्यथा अस्मान् अपि मथुरां नय इति । श्रीकृष्णोऽवदत् - यूयम् अत्रैव भवत । स्वकार्याणि कुरुत ।

कः गोकुले आसीत् ?

1. श्रीनिधिः
2. श्रीरामः
3. श्रीपतिः
4. श्रीकृष्णः

Correct Answer :-

- श्रीकृष्णः

2)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

देवः श्रीकृष्णः गोकुले आसीत् । नन्दगोपस्य पत्नी यशोदा श्रीकृष्णं मातृवात्सल्येन पोषयति स्म। श्रीकृष्णस्य ज्येष्ठः भ्राता बलरामः वसुदेवस्य पत्न्याः रोहिण्याः पुत्रः। सोऽपि गोकुले श्रीकृष्णेन सममेव अवर्धत। श्रीकृष्णस्य मातुलः कंसः मथुरायां राज्यं पर्यपालयत्। दुष्टः सः बहुविधैः उपायैः श्रीकृष्णं मारयितुं प्रायतत। परन्तु श्रीकृष्णं हन्तुं नाशक्नोत्। अन्ते सः एकमुपायम् अचिन्तयत्। धनुर्यागव्याजेन श्रीकृष्णबलरामौ मथुराम् आनाय्य तौ हन्तुम् उपायम् अकरोत्। महामात्यम् अक्रूरं तावाह्वातुं गोकुलं प्राहिणोत्। अक्रूरः महान् श्रीकृष्णभक्तः। कंसस्य कपटबुद्धिं वञ्चकतां च जानाति स्म। परन्तु अनन्यगतिकः अक्रूरः राजाज्ञां पुरस्कृत्य गोकुलमगच्छत् ।

अक्रूरः श्रीकृष्णस्य समीपं गत्वावदत् - हे कृष्ण ! भवान् मथुराम् आगच्छतु । तव मातुलः कंसः धनुर्यागार्थम् भवन्तौ श्रीकृष्णबलरामावाह्वयतीति । मातुलस्य कपटबुद्धिं जानन्तावपि श्रीकृष्णबलरामौ तस्य आह्वानम् अमन्येताम्।

विदितवृत्तान्ताः गोपिकाः तत्र समागच्छन् । ताः श्रीकृष्णम् एवम् अवदन् - प्रभो कृष्ण ! त्वं मथुरां मा गच्छ । इहैव तिष्ठ । अन्यथा अस्मान् अपि मथुरां नय इति । श्रीकृष्णोऽवदत् - यूयम् अत्रैव भवत । स्वकार्याणि कुरुत ।

'प्रभो त्वं मथुरां मा गच्छ' इति काः अवदन् ?

1. मातारः
2. पत्न्यः
3. गोपिकाः
4. भगिन्यः

Correct Answer :-

- गोपिकाः

3)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि |
लोकोत्तराणां चेतांसि को हि विज्ञातुमर्हति ||

संसारविषवृक्षस्य द्वे एव मधुरे फले |
सुभाषितं च सुस्वादु सद्भिश्च सह संगमः ||

'मधुरे फले' अत्र इदं वचनम् ।

1. नैतत्
2. बहुवचनम्
3. एकवचन्म्
4. द्विवचनम्

Correct Answer :-

- द्विवचनम्

4)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत –

दीपो भक्षयते ध्वान्तं कज्जलं च प्रसूयते |
यादृशं भक्षयेदन्नं जायते तादृशी प्रजा ||
कोकिलानां स्वरो रूपं स्त्रीणां रूपं पतिव्रतम् |
विद्या रूपं कुरूपाणां क्षमा रूपं तपस्विनाम् ||

'प्रसूयते' अत्रायम् उपसर्गः ।

1. सू
2. प्र
3. य
4. ते

Correct Answer :-

. प्र

5)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

देवः श्रीकृष्णः गोकुले आसीत् । नन्दगोपस्य पत्नी यशोदा श्रीकृष्णं मातृवात्सल्येन पोषयति स्म। श्रीकृष्णस्य ज्येष्ठः भ्राता बलरामः वसुदेवस्य पत्न्याः रोहिण्याः पुत्रः। सोऽपि गोकुले श्रीकृष्णेन सममेव अवर्धत। श्रीकृष्णस्य मातुलः कंसः मथुरायां राज्यं पर्यपालयत्। दुष्टः सः बहुविधैः उपायैः श्रीकृष्णं मारयितुं प्रायतत। परन्तु श्रीकृष्णं हन्तुं नाशक्नोत्। अन्ते सः एकमुपायम् अचिन्तयत्। धनुर्यागव्याजेन श्रीकृष्णबलरामौ मथुराम् आनाय्य तौ हन्तुम् उपायम् अकरोत्। महामात्यम् अक्रूरं तावाह्वातुं गोकुलं प्राहिणोत्। अक्रूरः महान् श्रीकृष्णभक्तः। कंसस्य कपटबुद्धिं वञ्चकतां च जानाति स्म। परन्तु अनन्यगतिकः अक्रूरः राजाज्ञां पुरस्कृत्य गोकुलमगच्छत् ।

अक्रूरः श्रीकृष्णस्य समीपं गत्वावदत् - हे कृष्ण ! भवान् मथुराम् आगच्छतु । तव मातुलः कंसः धनुर्यागार्थम् भवन्तौ श्रीकृष्णबलरामावाह्वयतीति । मातुलस्य कपटबुद्धिं जानन्तावपि श्रीकृष्णबलरामौ तस्य आह्वानम् अमन्येताम्।

विदितवृत्तान्ताः गोपिकाः तत्र समागच्छन् । ताः श्रीकृष्णम् एवम् अवदन् - प्रभो कृष्ण ! त्वं मथुरां मा गच्छ । इहैव तिष्ठ । अन्यथा अस्मान् अपि मथुरां नय इति । श्रीकृष्णोऽवदत् - यूयम् अत्रैव भवत । स्वकार्याणि कुरुत ।

श्रीकृष्णस्य मातुलः कः ?

1. कंसः
2. नन्दः
3. अक्रूरः
4. बलरामः

Correct Answer :-

. कंसः

6)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत –

दीपो भक्षयते ध्वान्तं कज्जलं च प्रसूयते |

यादृशं भक्षयेदन्नं जायते तादृशी प्रजा ||

कोकिलानां स्वरो रूपं स्त्रीणां रूपं पतिव्रतम् |

विद्या रूपं कुरूपाणां क्षमा रूपं तपस्विनाम् ||

अयं कोकिलस्य रूपम् ।

1. मनः
2. कृतिः
3. स्वरः
4. वर्णः

Correct Answer :-

. स्वरः

7)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

देवः श्रीकृष्णः गोकुले आसीत् । नन्दगोपस्य पत्नी यशोदा श्रीकृष्णं मातृवात्सल्येन पोषयति स्म। श्रीकृष्णस्य ज्येष्ठः भ्राता बलरामः वसुदेवस्य पत्न्याः रोहिण्याः पुत्रः। सोऽपि गोकुले श्रीकृष्णेन सममेव अवर्धत। श्रीकृष्णस्य मातुलः कंसः मथुरायां राज्यं पर्यपालयत्। दुष्टः सः बहुविधैः उपायैः श्रीकृष्णं मारयितुं प्रायतत। परन्तु श्रीकृष्णं हन्तुं नाशक्नोत्। अन्ते सः एकमुपायम् अचिन्तयत्। धनुर्यागव्याजेन श्रीकृष्णबलरामौ मथुराम् आनाय्य तौ हन्तुम् उपायम् अकरोत्। महामात्यम् अक्रूरं तावाह्वातुं गोकुलं प्राहिणोत्। अक्रूरः महान् श्रीकृष्णभक्तः। कंसस्य कपटबुद्धिं वञ्चकतां च जानाति स्म। परन्तु अनन्यगतिकः अक्रूरः राजाज्ञां पुरस्कृत्य गोकुलमगच्छत् ।

अक्रूरः श्रीकृष्णस्य समीपं गत्वावदत् - हे कृष्ण ! भवान् मथुराम् आगच्छतु । तव मातुलः कंसः धनुर्यागार्थम् भवन्तौ श्रीकृष्णबलरामावाह्वयतीति । मातुलस्य कपटबुद्धिं जानन्तावपि श्रीकृष्णबलरामौ तस्य आह्वानम् अमन्येताम्।

विदितवृत्तान्ताः गोपिकाः तत्र समागच्छन् । ताः श्रीकृष्णम् एवम् अवदन् - प्रभो कृष्ण ! त्वं मथुरां मा गच्छ । इहैव तिष्ठ । अन्यथा अस्मान् अपि मथुरां नय इति । श्रीकृष्णोऽवदत् - यूयम् अत्रैव भवत । स्वकार्याणि कुरुत ।

कंसः कः ?

1. मथुराधिपः
2. स्वर्गाधिपः
3. गोकुलाधिपः
4. वृन्दावनाधिपः

Correct Answer :-

. मथुराधिपः

8)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत –

दीपो भक्षयते ध्वान्तं कज्जलं च प्रसूयते |

यादृशं भक्षयेदन्नं जायते तादृशी प्रजा ||

कोकिलानां स्वरो रूपं स्त्रीणां रूपं पतिव्रतम् |

विद्या रूपं कुरूपाणां क्षमा रूपं तपस्विनाम् ||

दीपः कं भक्षयते ।

1. प्रजाम्
2. अन्नं
3. कज्जलं
4. ध्वान्तं

Correct Answer :-

- ध्वान्तं

9)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

संसारेऽस्मिन् समग्राणि कार्याणि धनेनैव सिध्यन्ति। धनेन विना न कस्यापि वस्तुनः स्थितिर्विद्यते। ब्रह्मचर्याश्रमे विद्याध्ययनाय धनस्यावश्यकता विद्यते। गृहस्थाऽश्रमे स्वकुटुम्बस्य पालनपोषणार्थं दीनदुःखितानामार्तजनानाञ्चोदर-भरणार्थं धनस्य संग्रहः आवश्यकः। वानप्रस्थाश्रमे तीर्थाटनार्थं स्वभार्यया सह स्वस्थरूपेण च सुखेन निवासार्थं धनमीहते लोकः। किं बहुना, सन्यासाश्रमेऽपि धनस्यावस्यकताऽस्त्येव। अनेन प्रकारेण इदं स्पष्टं प्रतिभाति यद् यावज्जीवनं धनस्य संचयः सुतरामावश्यकः। धनेन विना न कोऽपि पुरुषः कस्मिन्नपि आश्रमे स्वजीवनयात्रां सुखेन कर्तुं प्रभवति।

अस्मिञ्जगति महतो महत्, अल्पादल्पमपि कार्यं धनेन विना न कदाऽपि संभवति। पाठशालायाः निर्माणम्, किं वा मन्दिरस्य उद्घाटनम्, किं वा धर्मशालायाः निर्माणम्, किं वा तीर्थाटनस्य सम्पादनम्, किं वा दरिद्रेभ्यः द्रव्यवितरणम्, किं वा कूपवापितडागानां जीर्णोद्धारः किं वा यागस्य निधानम्, किं वाऽतिथीनां सत्कारः, मृतस्यान्त्येष्टिक्रियाऽपि विना द्रव्येण न संभवति। दानस्याभिलाषः, परदुःखनाशस्येच्छा, बुभुक्षितस्योदरदरीपूरणस्याकांक्षा सर्वा अपि शुभेच्छाः धनाभावाद् अजागलस्तनवद् निष्फलतां प्राप्नुवन्ति।

हाटके जीवनस्य सुखदायकानि बहूनि द्रव्याणि सन्ति, परन्तु किं तानि द्रव्यहीनैः पुरुषैर्लभ्यन्ते? यस्य पार्श्वे धनं नास्ति स तु हाटके केवलं द्रव्याणि द्रष्टुं शक्नोति, न चास्वादितुं क्षमते मृष्टान्नम्। केनापि हास्यरसिकेन कविना सत्यमेवोक्तम् ।

न कस्मिन्नपि आश्रमे ---------- सुखेन कर्तुम्
प्रभवति -

1. विदेशयात्राम्
2. तीर्थयात्राम्
3. जीवनयात्राम्
4. कुटुम्बयात्राम्

Correct Answer :-

. जीवनयात्राम्

10)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

संसारेऽस्मिन् समग्राणि कार्याणि धनेनैव सिध्यन्ति। धनेन विना न कस्यापि वस्तुनः स्थितिर्विद्यते। ब्रह्मचर्याश्रमे विद्याध्ययनाय धनस्यावश्यकता विद्यते। गृहस्थाऽश्रमे स्वकुटुम्बस्य पालनपोषणार्थं दीनदुःखितानामार्तजनानाञ्चोदर-भरणार्थं धनस्य संग्रहः आवश्यकः। वानप्रस्थाश्रमे तीर्थाटनार्थं स्वभार्यया सह स्वस्थरूपेण च सुखेन निवासार्थं धनमीहते लोकः। किं बहुना, सन्यासाश्रमेऽपि धनस्यावस्यकताऽस्त्येव। अनेन प्रकारेण इदं स्पष्टं प्रतिभाति यद् यावज्जीवनं धनस्य संचयः सुतरामावश्यकः। धनेन विना न कोऽपि पुरुषः कस्मिन्नपि आश्रमे स्वजीवनयात्रां सुखेन कर्तुं प्रभवति।

अस्मिञ्जगति महतो महत्, अल्पादल्पमपि कार्यं धनेन विना न कदाऽपि संभवति। पाठशालायाः निर्माणम्, किं वा मन्दिरस्य उद्घाटनम्, किं वा धर्मशालायाः निर्माणम्, किं वा तीर्थाटनस्य सम्पादनम्, किं वा दरिद्रेभ्यः द्रव्यवितरणम्, किं वा कूपवापितडागानां जीर्णोद्धारः किं वा यागस्य निधानम्, किं वाऽतिथीनां सत्कारः, मृतस्यान्त्येष्टिक्रियाऽपि विना द्रव्येण न संभवति। दानस्याभिलाषः, परदुःखनाशस्येच्छा, बुभुक्षितस्योदरदरीपूरणस्याकांक्षा सर्वा अपि शुभेच्छाः धनाभावाद् अजागलस्तनवद् निष्फलतां प्राप्नुवन्ति।

हाटके जीवनस्य सुखदायकानि बहूनि द्रव्याणि सन्ति, परन्तु किं तानि द्रव्यहीनैः पुरुषैर्लभ्यन्ते? यस्य पार्श्वे धनं नास्ति स तु हाटके केवलं द्रव्याणि द्रष्टुं शक्नोति, न चास्वादितुं क्षमते मृष्टान्नम्। केनापि हास्यरसिकेन कविना सत्यमेवोक्तम् ।

अनेन विना कार्याणि न सिध्यन्ति -

1. फलेन
2. त्यागेन
3. कर्मणा
4. वित्तेन

Correct Answer :-

. वित्तेन

11)

श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि |
लोकोत्तराणां चेतांसि को हि विज्ञातुमर्हति ||

संसारविषवृक्षस्य द्वे एव मधुरे फले |
सुभाषितं च सुस्वादु सद्भिश्च सह संगमः ||

लोकोत्तराणां चेतः अस्मादपि कठोरः ।

1. मस्तकात्
2. पाषाणात्
3. स्वर्णात्
4. वज्रात्

Correct Answer :-

. वज्रात्

12) 'योगाच्चित्तवृत्तिनिरोधः' इति कः अवदत् ?

1. जैमिनिः
2. पतञ्जलिः
3. गौतमः
4. पाणिनिः

Correct Answer :-

. पतञ्जलिः

13) ____ वैदिककर्मणः फलम् |

1. स्वर्गप्राप्तिः
2. वैराग्यम्
3. अपवर्ग
4. ज्ञानम्

Correct Answer :-

. स्वर्गप्राप्तिः

14) श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि |
लोकोत्तराणां चेतांसि को हि विज्ञातुमर्हति ||

संसारविषवृक्षस्य द्वे एव मधुरे फले |
सुभाषितं च सुस्वादु सद्भिश्च सह संगमः ||

'मृदुः' पदस्य विरुद्धपदम् इदं भवति ।

1. दीर्घः
2. कठिणः
3. ह्रस्वः
4. कोमलः

Correct Answer :-

. कठिणः

15)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

देवः श्रीकृष्णः गोकुले आसीत् । नन्दगोपस्य पत्नी यशोदा श्रीकृष्णं मातृवात्सल्येन पोषयति स्म। श्रीकृष्णस्य ज्येष्ठः भ्राता बलरामः वसुदेवस्य पत्न्याः रोहिण्याः पुत्रः। सोऽपि गोकुले श्रीकृष्णेन सममेव अवर्धत। श्रीकृष्णस्य मातुलः कंसः मथुरायां राज्यं पर्यपालयत्। दुष्टः सः बहुविधैः उपायैः श्रीकृष्णं मारयितुं प्रायतत। परन्तु श्रीकृष्णं हन्तुं नाशक्नोत्। अन्ते सः एकमुपायम् अचिन्तयत्। धनुर्यागव्याजेन श्रीकृष्णबलरामौ मथुराम् आनाय्य तौ हन्तुम् उपायम् अकरोत्। महामात्यम् अक्रूरं तावाह्वातुं गोकुलं प्राहिणोत्। अक्रूरः महान् श्रीकृष्णभक्तः। कंसस्य कपटबुद्धिं वञ्चकतां च जानाति स्म। परन्तु अनन्यगतिकः अक्रूरः राजाज्ञां पुरस्कृत्य गोकुलमगच्छत् ।

अक्रूरः श्रीकृष्णस्य समीपं गत्वावदत् - हे कृष्ण ! भवान् मथुराम् आगच्छतु । तव मातुलः कंसः धनुर्यागार्थम् भवन्तौ श्रीकृष्णबलरामावाह्वयतीति । मातुलस्य कपटबुद्धिं जानन्तावपि श्रीकृष्णबलरामौ तस्य आह्वानम् अमन्येताम्।

विदितवृत्तान्ताः गोपिकाः तत्र समागच्छन् । ताः श्रीकृष्णम् एवम् अवदन् - प्रभो कृष्ण ! त्वं मथुरां मा गच्छ । इहैव तिष्ठ । अन्यथा अस्मान् अपि मथुरां नय इति । श्रीकृष्णोऽवदत् - यूयम् अत्रैव भवत । स्वकार्याणि कुरुत ।

'जानन्तावपि' इति पदे सन्धिः कः ?

1. सवर्णदीर्घः
2. अयादिः
3. वृद्धिः
4. गुणः

Correct Answer :-

- अयादिः

16) 'विष्णोऽव' _____ सन्धेः उदाहरणम् |

1. ष्टुत्वम्
2. पररूपम्

3. छत्वम्

4. पूर्वरूपम्

Correct Answer :-

- पूर्वरूपम्

17)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

संसारेऽस्मिन् समग्राणि कार्याणि धनेनैव सिध्यन्ति। धनेन विना न कस्यापि वस्तुनः स्थितिर्विद्यते। ब्रह्मचर्याश्रमे विद्याध्ययनाय धनस्यावश्यकता विद्यते। गृहस्थाऽश्रमे स्वकुटुम्बस्य पालनपोषणार्थं दीनदुःखितानामार्तजनानाञ्चोदर-भरणार्थं धनस्य संग्रहः आवश्यकः। वानप्रस्थाश्रमे तीर्थाटनार्थं स्वभार्यया सह स्वस्थरूपेण च सुखेन निवासार्थं धनमीहते लोकः। किं बहुना, सन्यासाश्रमेऽपि धनस्यावस्यकताऽस्त्येव। अनेन प्रकारेण इदं स्पष्टं प्रतिभाति यद् यावज्जीवनं धनस्य संचयः सुतरामावश्यकः। धनेन विना न कोऽपि पुरुषः कस्मिन्नपि आश्रमे स्वजीवनयात्रां सुखेन कर्तुं प्रभवति।

अस्मिञ्जगति महतो महत्, अल्पादल्पमपि कार्यं धनेन विना न कदाऽपि संभवति। पाठशालायाः निर्माणम्, किं वा मन्दिरस्य उद्घाटनम्, किं वा धर्मशालायाः निर्माणम्, किं वा तीर्थाटनस्य सम्पादनम्, किं वा दरिद्रेभ्यः द्रव्यवितरणम्, किं वा कूपवापितडागानां जीर्णोद्धारः किं वा यागस्य निधानम्, किं वाऽतिथीनां सत्कारः, मृतस्यान्त्येष्टिक्रियाऽपि विना द्रव्येण न संभवति। दानस्याभिलाषः, परदुःखनाशस्येच्छा, बुभुक्षितस्योदरदरीपूरणस्याकांक्षा सर्वा अपि शुभेच्छाः धनाभावाद् अजागलस्तनवद् निष्फलतां प्राप्नुवन्ति।

हाटके जीवनस्य सुखदायकानि बहूनि द्रव्याणि सन्ति, परन्तु किं तानि द्रव्यहीनैः पुरुषैर्लभ्यन्ते? यस्य पार्श्वे धनं नास्ति स तु हाटके केवलं द्रव्याणि द्रष्टुं शक्नोति, न चास्वादितुं क्षमते मृष्टान्नम्। केनापि हास्यरसिकेन कविना सत्यमेवोक्तम् ।

‘ भार्या ’ अस्य शब्दस्य अयमर्थः न -

1. कान्ता
2. काया

3. पत्नी

4. जाया

Correct Answer :-

. काया

18)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

संसारेऽस्मिन् समग्राणि कार्याणि धनेनैव सिध्यन्ति। धनेन विना न कस्यापि वस्तुनः स्थितिर्विद्यते। ब्रह्मचर्याश्रमे विद्याध्ययनाय धनस्यावश्यकता विद्यते। गृहस्थाऽश्रमे स्वकुटुम्बस्य पालनपोषणार्थं दीनदुःखितानामार्तजनानाञ्चोदर-भरणार्थं धनस्य संग्रहः आवश्यकः। वानप्रस्थाश्रमे तीर्थाटनार्थं स्वभार्यया सह स्वस्थरूपेण च सुखेन निवासार्थं धनमीहते लोकः। किं बहुना, सन्यासाश्रमेऽपि धनस्यावस्यकताऽस्त्येव। अनेन प्रकारेण इदं स्पष्टं प्रतिभाति यद् यावज्जीवनं धनस्य संचयः सुतरामावश्यकः। धनेन विना न कोऽपि पुरुषः कस्मिन्नपि आश्रमे स्वजीवनयात्रां सुखेन कर्तुं प्रभवति।

अस्मिञ्जगति महतो महत्, अल्पादल्पमपि कार्यं धनेन विना न कदाऽपि संभवति। पाठशालायाः निर्माणम्, किं वा मन्दिरस्य उद्घाटनम्, किं वा धर्मशालायाः निर्माणम्, किं वा तीर्थाटनस्य सम्पादनम्, किं वा दरिद्रेभ्यः द्रव्यवितरणम्, किं वा कूपवापितडागानां जीर्णोद्धारः किं वा यागस्य निधानम्, किं वाऽतिथीनां सत्कारः, मृतस्यान्त्येष्टिक्रियाऽपि विना द्रव्येण न संभवति। दानस्याभिलाषः, परदुःखनाशस्येच्छा, बुभुक्षितस्योदरदरीपूरणस्याकांक्षा सर्वा अपि शुभेच्छाः धनाभावाद् अजागलस्तनवद् निष्फलतां प्राप्नुवन्ति।

हाटके जीवनस्य सुखदायकानि बहूनि द्रव्याणि सन्ति, परन्तु किं तानि द्रव्यहीनैः पुरुषैर्लभ्यन्ते? यस्य पार्श्वे धनं नास्ति स तु हाटके केवलं द्रव्याणि द्रष्टुं शक्नोति, न चास्वादितुं क्षमते मृष्टान्नम्। केनापि हास्यरसिकेन कविना सत्यमेवोक्तम् ।

‘ वस्तुनः’ अत्र विभक्तिरस्ति -

1. तृतीया

2. प्रथमा

3. सप्तमी

4. षष्ठी

Correct Answer :-

. षष्ठी

19) श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि |
लोकोत्तराणां चेतांसि को हि विज्ञातुमर्हति ||

संसारविषवृक्षस्य द्वे एव मधुरे फले |
सुभाषितं च सुस्वादु सद्भिश्च सह संगमः ||

अनेन सह सुभाषितस्य उपमा कृता ।

1. पत्रम्
2. पानीयम्
3. फणः
4. फलम्

Correct Answer :-

. फलम्

20) 10.10 इत्यस्य संस्कृतभाषया किमुच्यते ?

1. दशदश
2. दशोनदशवादनम्
3. दशवादनम्
4. दशाधिकदशवादनम्

Correct Answer :-

. दशाधिकदशवादनम्

21)

परिच्छेदं पठित्वा प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

संसारेऽस्मिन् समग्राणि कार्याणि धनेनैव सिध्यन्ति। धनेन विना न कस्यापि वस्तुनः स्थितिर्विद्यते। ब्रह्मचर्याश्रमे विद्याध्ययनाय धनस्यावश्यकता विद्यते। गृहस्थाऽश्रमे स्वकुटुम्बस्य पालनपोषणार्थं दीनदुःखितानामार्तजनानाञ्चोदर-भरणार्थं धनस्य संग्रहः आवश्यकः। वानप्रस्थाश्रमे तीर्थाटनार्थं स्वभार्यया सह स्वस्थरूपेण च सुखेन निवासार्थं धनमीहते लोकः। किं बहुना, सन्यासाश्रमेऽपि धनस्यावस्यकताऽस्त्येव। अनेन प्रकारेण इदं स्पष्टं प्रतिभाति यद् यावज्जीवनं धनस्य संचयः सुतरामावश्यकः। धनेन विना न कोऽपि पुरुषः कस्मिन्नपि आश्रमे स्वजीवनयात्रां सुखेन कर्तुं प्रभवति।
अस्मिञ्जगति महतो महत्, अल्पादल्पमपि कार्यं धनेन विना न कदाऽपि संभवति। पाठशालायाः निर्माणम्, किं वा मन्दिरस्य उद्घाटनम्, किं वा धर्मशालायाः निर्माणम्, किं वा तीर्थाटनस्य सम्पादनम्, किं वा दरिद्रेभ्यः द्रव्यवितरणम्, किं वा कूपवापितडागानां जीर्णोद्धारः किं वा यागस्य निधानम्, किं वाऽतिथीनां सत्कारः, मृतस्यान्त्येष्टिक्रियाऽपि विना द्रव्येण न संभवति। दानस्याभिलाषः, परदुःखनाशस्येच्छा, बुभुक्षितस्योदरदरीपूरणस्याकांक्षा सर्वा अपि शुभेच्छाः धनाभावाद् अजागलस्तनवद् निष्फलतां प्राप्नुवन्ति।
हाटके जीवनस्य सुखदायकानि बहूनि द्रव्याणि सन्ति, परन्तु किं तानि द्रव्यहीनैः पुरुषैर्लभ्यन्ते? यस्य पार्श्वे धनं नास्ति स तु हाटके केवलं द्रव्याणि द्रष्टुं शक्नोति, न चास्वादितुं क्षमते मृष्टान्नम्। केनापि हास्यरसिकेन कविना सत्यमेवोक्तम् ।

एतावत्पर्यन्तं धनस्य संचयः सुतयमावश्यकः -

1. यावच्छक्तिः
2. यावद्दृष्टिः
3. यावद्यौवनम्
4. यावज्जीवनम्

Correct Answer :-

. यावज्जीवनम्

22) प्रायेण उत्तरपदार्थप्रधानः समासः अस्ति-

1. अव्ययीभाव
2. तत्पुरुषः
3. द्वन्द्वः
4. बहुव्रीहिः

Correct Answer :-

. तत्पुरुषः

23) श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत –

दीपो भक्षयते ध्वान्तं कज्जलं च प्रसूयते |
यादृशं भक्षयेदन्नं जायते तादृशी प्रजा ||
कोकिलानां स्वरो रूपं स्त्रीणां रूपं पतिव्रतम् |
विद्या रूपं कुरूपाणां क्षमा रूपं तपस्विनाम् ||

यादृशमन्नं तादृशी एषा जायते ।

1. गौः
2. प्रजा
3. राज्ञी
4. महिला

Correct Answer :-

. प्रजा

24) प्रयोगाः/वाच्यानि कति ?

1. त्रयः
2. द्वौ
3. षट्
4. पञ्च

Correct Answer :-

. त्रयः

25) श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत –

दीपो भक्षयते ध्वान्तं कज्जलं च प्रसूयते |
यादृशं भक्षयेदन्नं जायते तादृशी प्रजा ||
कोकिलानां स्वरो रूपं स्त्रीणां रूपं पतिव्रतम् |
विद्या रूपं कुरूपाणां क्षमा रूपं तपस्विनाम् ||

कुरूपी अनया शोभते ।

1. क्रियया
2. विद्यया
3. जनन्या
4. महिलया

Correct Answer :-

- विद्यया

26) श्लोकौ पठित्वा अधोनिर्दिष्टस्य प्रश्नस्य शुद्धमुत्तरं सूचयत -

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि |
लोकोत्तराणां चेतांसि को हि विज्ञातुमर्हति ||

संसारविषवृक्षस्य द्वे एव मधुरे फले |
सुभाषितं च सुस्वादु सद्भिश्च सह संगमः ||

अत्र 'संसारः'पदं अस्मिन्नर्थे प्रयुक्तम् ।

1. जीवनम्
2. यजमानः
3. कुटुम्बः
4. प्रपञ्चः

Correct Answer :-

. प्रपञ्चः

---

27) सह,साकं,समं,सार्धम् अव्ययानां योगे का विभक्तिः?

1. द्वितीया
2. तृतीया
3. चतुर्थी
4. प्रथमा

Correct Answer :-

. तृतीया

---

28) भोजस्य अपूर्णं चम्पूकाव्यं कः पूर्णमकरोत् ?

1. सूर्यकविः
2. अहोबलसूरिः
3. जीवगोस्वामी
4. लक्ष्मणकविः

Correct Answer :-

. लक्ष्मणकविः

---

29) स्त्रीलिङ्गे भवत् शब्दस्य चतुर्थीविभक्तेः रूपम् -

1. भवतै
2. भवत्या
3. भवत्यै
4. भवतायै

Correct Answer :-

. भवत्यै

---

30) महाभारतस्य प्रधानरसः कः ?

1. करुणः

2. रौद्र:

3. शान्त:

4. वीर:

Correct Answer :-

- शान्त:

Topic:- Science (SCI)

1) Why are large poultry farms constructed? /

बड़े कुक्कुट फार्म का निर्माण क्यों किया जाता है?

1. To raise broilers for chicken meat in large numbers. /

मुर्गे मांस के लिए अधिक संख्या में ब्रॉइलर को पालने हेतु।

2. All the above facts . /

उपरोक्त सभी तथ्य

3. To develop very good hatchery for egg layers, in large numbers. /

बड़ी संख्या में अंडा देने के लिए बेहतर स्थान का विकास करने के लिये।

4. There is low maintenance requirement for developing poultry. /

कुक्कुटपालन के विकास के लिए निम्न रखरखाव की आवश्यकता हेतु।

Correct Answer :-

- All the above facts . /

उपरोक्त सभी तथ्य

2) If the ratio between Iron (Fe) and Sulphur (S) in Iron sulphide (FeS) is 7:4 by mass and the total mass of it is 88 amu, what are the masses of Fe and S? /

यदि आयरन सल्फाइड (FeS) में आयरन (Fe) और सल्फर (S) के बीच द्रव्यमान का अनुपात 7:4 है और इसका कुल द्रव्यमान 88 परमाणु संहति मात्रक (amu) है, तो Fe और S के द्रव्यमान क्या हैं?

1. Fe = 74amu & S = 14 amu

2. Fe = 72amu & S = 16 amu

3. Fe = 56amu & S = 32 amu

4. Fe = 50amu & S = 38 amu

Correct Answer :-

- Fe = 56amu & S = 32 amu

3) Written examination is a/an _____ of evaluation. / लिखित परीक्षा, मूल्यांकन की एक _____ है।

1. implementation / कार्यान्वयन

2. System / प्रणाली

3. function / कार्य

4. technique / तकनीक

Correct Answer :-

- technique / तकनीक

4) To have a productive and engaging science learning experience, for children and adults alike, they can conduct small experiments with guided instructions, like identifying rock specimens, watch insect metamorphosis, demonstrate chemistry reactions, etc. This method involves? / बच्चों और वयस्कों के लिए, एक उत्पादक और संबंद्ध विज्ञान अधिगम का अनुभव होने के लिए, वे निर्देशित निर्देशों के साथ छोटे प्रयोगों का संचालन कर सकते हैं, जैसे रॉक नमूनों की पहचान करना, कीट कायान्तरण देखना, रसायन अभिक्रियाओं को प्रदर्शित करना, आदि। इस विधि में शामिल होता है?

1. Science Kits / विज्ञान किट
2. Research Laboratory Experiments / अनुसंधान प्रयोगशाला प्रयोग
3. Observatories / वेधशालाएँ
4. Peer-to-Peer Teaching / सहकर्मी-से-सहकर्मी शिक्षण

Correct Answer :-

- Science Kits / विज्ञान किट

5) In the winter season, two thin blankets placed one over the other are better than a single blanket of same thickness because: /

सर्दियों के मौसम में, दो पतले कंबल एक दूसरे के ऊपर रखे जाते हैं, जोकि उसी मोटाई वाले एक कंबल से बेहतर होते हैं क्योंकि:

1. The air in between the two layers will absorb more heat energy from the atmosphere /

   दो परतों के बीच की हवा वायुमंडल से अधिक ऊष्मा ऊर्जा को अवशोषित करेगी।

2. The air in between the two layer acts as a conductor /

   दो परत के बीच की हवा एक संवाहक के रूप में कार्य करती है।

3. The air in between the two layers acts as an insulator /

   दो परतों के बीच की हवा एक विसंवाहक का काम करती है।

4. Thick blanket absorbs more heat energy from our body /

   मोटे कंबल हमारे शरीर से अधिक ताप ऊर्जा को अवशोषित करते हैं।

Correct Answer :-

- The air in between the two layers acts as an insulator /

  दो परतों के बीच की हवा एक विसंवाहक का काम करती है।

6) What happens when a body covers 2m in every one second along a circular path? /

यदि एक निकाय, वृत्ताकार पथ पर प्रत्येक सेकेंड में 2 मीटर की दूरी तय करता है,तो क्या होता है?

1. The body has non-uniform speed. / निकाय की चाल गैर-समान है।
2. The body has uniform velocity. / निकाय का वेग एकसमान है।
3. The motion is called non-uniform circular motion. / गति को गैर-समान वृत्ताकार गति कहा जाता है।
4. The motion is called uniform circular motion. / गति को एकसमान वृत्ताकार गति कहा जाता है।

Correct Answer :-

- The motion is called uniform circular motion. / गति को एकसमान वृत्ताकार गति कहा जाता है।

7) The physical quantity which has the unit N/m^2 is: /

भौतिक मात्रा जिसकी इकाई N/m^2 होती है :

1. Force / बल
2. Density / घनत्व
3. Acceleration / त्वरण
4. Pressure / दबाव

Correct Answer :-

- Pressure / दबाव

8) Sign langue is developed for: /

सांकेतिक भाषा निम्न मे से किनके लिए विकसित की गई:

1. The mentally retarded children / मानसिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए
2. The people with impaired hearing / बहरे
3. The children with high IQ / उच्च बुद्धि उपलब्धता वाले बच्चों के लिए
4. The blind people / अंधे

Correct Answer :-

- The people with impaired hearing / बहरे

9) Iodine test is conducted for detecting: / आयोडीन परीक्षण किसका पता लगाने के लिए किया जाता है:

1. Starch / स्टार्च
2. Sugar / शर्करा
3. Protein / प्रोटीन
4. Glucose / ग्लूकोज

Correct Answer :-

- Starch / स्टार्च

10) What are the two necessary conditions to be satisfied to say that work is done? /

यह कहने के लिए कि कार्य संपन्न हो चुका है, दो आवश्यक शर्तें क्या हैं?

1. Initially the body should be at rest and there should be an expenditure of energy. /
   आरंभ में निकाय को विश्रामावस्था में होना चाहिए और ऊर्जा का व्यय होना चाहिए।
2. There should be a force acting on the body and there should be a displacement in the direction of the body. /
   निकाय पर बल कार्यरत होना चाहिए और निकाय की दिशा में विस्थापन होना चाहिए।
3. There should be a displacement for the body and there should be an expenditure of energy. /
   निकाय का विस्थापन होना चाहिए और ऊर्जा का व्यय होना चाहिए।
4. A force should act on the body and there should be an expenditure of energy. /
   एक बल निकाय पर कार्यरत होना चाहिए और ऊर्जा का व्यय होना चाहिए।

Correct Answer :-

- There should be a force acting on the body and there should be a displacement in the direction of the body. /
  निकाय पर बल कार्यरत होना चाहिए और निकाय की दिशा में विस्थापन होना चाहिए।

11) An electrical device is rated 1000W. What is the amount of energy consumed by it in 5 hours? /

एक विद्युत उपकरण का मूल्यांकन 1000W किया जाता है। 5 घंटों में खपत की गई ऊर्जा की मात्रा क्या होगी?

1. 1.8×10^7 J
2. 1.8×10^3 J
3. 1.8×10^6 J
4. 1.8×10^5 J

Correct Answer :-

- 1.8×10^7 J

12) In a lake, Maria swims 60m in half minute and returns to the starting point along the same path in another half minute. Find her average speed and average velocity./

एक झील में, मारिया आधे मिनट में 60 मीटर तैरती है और अन्य आधे मिनट में उसी मार्ग से आरंभिक बिंदु पर लौट आती है। उसकी औसत गति और औसत वेग ज्ञात करें।

1. 2m/s & 0 m/s / 2 मीटर/सेकंड और 0 मीटर/सेकंड
2. 2m/s & 12 m/s / 2 मीटर/सेकंड और / 2 मीटर/सेकंड
3. 0m/s & 2m/s / 0 मीटर/सेकंड और 2 मीटर/सेकंड
4. 12m/s & 2 m/s / 12 मीटर/सेकंड और 2 मीटर/सेकंड

Correct Answer :-

- 2m/s & 0 m/s / 2 मीटर/सेकंड और 0 मीटर/सेकंड

13) The period of a pendulum at a place depends on the: /

किसी स्थान पर एक पेंडुलम की अवधि इस पर निर्भर करती है:

1. Mass and length of the pendulum /

   पेंडुलम का द्रव्यमान और लंबाई
2. Mass and acceleration due to gravity at that place /

   उस स्थान पर गुरुत्वाकर्षण के कारण द्रव्यमान और त्वरण
3. Length of the pendulum and acceleration due to gravity at that place /

   उस स्थान पर गुरुत्वाकर्षण के कारण पेंडुलम और त्वरण की लंबाई
4. Length of the pendulum and shape of the bob /

   पेंडुलम की लंबाई और बॉब की आकृति

Correct Answer :-

- Length of the pendulum and acceleration due to gravity at that place /

  उस स्थान पर गुरुत्वाकर्षण के कारण पेंडुलम और त्वरण की लंबाई

14) Which of the following is not an example for the potential energy? /

निम्नलिखित में से क्या स्थितिज ऊर्जा का एक उदाहरण नहीं है?

1. Energy possessed by a body inside a flying air craft. / एक उड़ते हवाई जहाज के अंदर एक निकाय द्वारा प्राप्त ऊर्जा।
2. Energy possessed by a body placed at a height. / एक ऊँचाई पर रखे निकाय द्वारा प्राप्त ऊर्जा।
3. Energy possessed by a compressed spring. / एक संपीड़ित कमानी द्वारा प्राप्त ऊर्जा।
4. Energy possessed by a person lying on the ground. / जमीन पर लेटे हुए एक व्यक्ति द्वारा प्राप्त ऊर्जा।

Correct Answer :-

- Energy possessed by a person lying on the ground. / जमीन पर लेटे हुए एक व्यक्ति द्वारा प्राप्त ऊर्जा।

15) In which of the following media, the speed of sound is maximum? /

निम्नलिखित में से किस माध्यम में, ध्वनि की गति अधिकतम होती है?

1. Water / जल
2. Aluminium / एल्युमीनियम
3. Air / वायु
4. Oxygen / ऑक्सीजन

Correct Answer :-

- Aluminium / एल्युमीनियम

16) Muddy water can be purified by /

पंकिल जल को इसके द्वारा शुद्ध किया जा सकता है

1. Loading / लदान

2. Threshing / मड़ाई

3. Sieving / चालन

4. Winnowing / ओसौनी

Correct Answer :-

- Loading / लदान

17) In the case of semiconductors, as the temperature increases, the resistivity _____. /

अर्धचालक के मामले में, जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, प्रतिरोधकता _____।

1. increases / बढ़ती है

2. decreases / कम होती है

3. becomes zero / शून्य हो जाती है

4. remains constant / स्थिर रहती है

Correct Answer :-

- decreases / कम होती है

18) Select the correct statement from the following: /

निम्नलिखित में से सही कथन का चयन करें:

1. Unlike charges attract / विपरीत आवेश आकर्षित करते हैं।

2. Unlike charges repel / विपरीत आवेश प्रतिकर्षित करते हैं।

3. Like charges attract / सम आवेश आकर्षित करते हैं।

4. Charges on a body cannot be discharged / एक वस्तु पर उपस्थित आवेशों का निर्वहन नहीं किया जा सकता है।

Correct Answer :-

- Unlike charges attract / विपरीत आवेश आकर्षित करते हैं।

19) A screw gauge with nil zero correction gives the following reading when used to measure the diameter of a wire. Pitch scale reading = 0 mm and head scale reading = 52 divisions. Given that 1mm on main scale corresponds to 100 divisions of the head scale. The diameter of wire from the above data is: /

शून्य सुधार का एक स्क्रू गेज एक तार के व्यास को मापने के लिए उपयोग में लाये जाने पर निम्नलिखित रीडिंग देता है। पिच मापक रीडिंग = 0 मिमी और हेड मापक रीडिंग = 52 खंड। दिया गया है कि मुख्य मापक का 1 मिमी, हेड मापक के 100 खंडों के अनुरूप है। उपरोक्त डेटा से तार का व्यास है:

1. 0.0052 cm / 0.0052 सेमी

2. 0.052 cm / 0.052 सेमी

3. 0.26 cm / 0.26 सेमी

4. 0.52 cm / 0.52 सेमी

Correct Answer :-

- 0.052 cm / 0.052 सेमी

20) Find the thrust acting on a surface of .08m^2 if the pressure is 250Pa. /

यदि दबाव 250Pa है तो .08m2 की सतह पर कार्यरत प्रणोद को ज्ञात करें।

1. 200N

2. 31.25N

3. 3125N

4. 20N

Correct Answer :-

- 20N

21) Identify the acid present in red ants? /

लाल चींटियों में उपस्थित अम्ल की पहचान करें?

1. Malic acid. / मैलेइक अम्ल
2. Oxalic acid. / ऑक्सेलिक अम्ल
3. Tannic acid. / टैनिक अम्ल
4. Formic acid. / फॉर्मिक अम्ल

Correct Answer :-

- Formic acid. / फॉर्मिक अम्ल

22) Identify the reaction/s in which physical state of a substance does not change during a chemical change. /

उस अभिक्रिया को पहचानें, जिसमें किसी रासायनिक परिवर्तन के दौरान किसी पदार्थ की भौतिक स्थिति नहीं बदलती है।

1. All of these / उपर्युक्त सभी
2. Water is subjected to electrolysis to form hydrogen and oxygen /

   हाइड्रोजन और ऑक्सीजन बनाने के लिए पानी का विद्युत-अपघटन किया जाता है
3. Mercuric oxide is heated strongly to from mercury metal and oxygen /

   पारा धातु और ऑक्सीजन बनाने के लिए मरक्यूरिक ऑक्साइड को प्रबलता से गर्म किया जाता है
4. Magnesium ribbon is burnt in air to form magnesium oxide /

   मैग्नीशियम ऑक्साइड बनाने के लिए मैग्नीशियम रिबन को हवा में जलाया जाता है

Correct Answer :-

- Magnesium ribbon is burnt in air to form magnesium oxide /

  मैग्नीशियम ऑक्साइड बनाने के लिए मैग्नीशियम रिबन को हवा में जलाया जाता है

23) The effect of milk of magnesia on turmeric solution is: /

हल्दी के घोल पर मैग्नेशिया के दूध का प्रभाव यह होता है:

1. Yellow colour of turmeric solution first changes to pink then becomes colourless /

   पीले रंग की हल्दी का घोल पहले गुलाबी रंग में बदल जाता है, तत्पश्चात रंगहीन हो जाता है।
2. Yellow colour of turmeric solution changes to blue colour /

   पीले रंग की हल्दी का घोल नीले रंग में बदल जाता है।
3. Yellow colour of turmeric solution changes to reddish brown colour /

   पीले रंग की हल्दी का घोल भूरे रंग में बदल जाता है।
4. No effect /

   कोई प्रभाव नहीं।

Correct Answer :-

- Yellow colour of turmeric solution changes to reddish brown colour /

  पीले रंग की हल्दी का घोल भूरे रंग में बदल जाता है।

24) The frequency of vibration of a string is 100 Hz. Then its period of vibration is: /

एक स्ट्रिंग के कंपन की आवृत्ति 100 हर्ट्ज है। तो कंपन की अवधि है:

1. 0.1s / 0.1 सेकंड
2. 0.01s / 0.01 सेकंड
3. 10s / 10 सेकंड

4. 100s / 100 सेकंड

Correct Answer :-

- 0.01s / 0.01 सेकंड

25) The trophic level of secondary carnivores is /

द्वीतियक मांसाहारी का पोषण स्तर है

1. Third / तीसरा

2. Second / दूसरा

3. Fourth / चौथा

4. Fifth / पांचवां

Correct Answer :-

- Fourth / चौथा

26) The pressure excreted by the liquid at the bottom of a vessel depends on : /

एक बर्तन के तल पर तरल द्वारा लगाया गया दाब इस पर निर्भर करता है:

1. Total area of the base of the vessel / बर्तन के तल का कुल क्षेत्रफल।

2. Height of the liquid column present in the vessel / बर्तन में उपस्थित तरल स्तंभ का उच्चतम तल।

3. Inner surface area of the vessel containing liquid / तरल युक्त बर्तन का आंतरिक पृष्ठ क्षेत्र।

4. Shape of the vessel / बर्तन का आकार।

Correct Answer :-

- Height of the liquid column present in the vessel / बर्तन में उपस्थित तरल स्तंभ का उच्चतम तल।

27) Neutral compound/compounds among the following: /

निम्न में उदासीन यौगिक / यौगिकों की पहचान कीजिए:

(i) CO_2 (ii) CO (iii) H_2O (iv) CaO

1. (i) and (ii) / (i) और (ii)

2. (ii) and (iii) / (ii) और (iii)

3. (ii) only / केवल (ii)

4. (i), (ii) and (iv) / (i), (ii) और (iv)

Correct Answer :-

- (ii) and (iii) / (ii) और (iii)

28) Four identical vessels painted with four different colors are filled with water at 90^0C. Which of the vessel will have the least rate of cooling? /

चार समान पात्र चार अलग रंगों से रंगे हुए हैं और 90^0 सेल्सियस तापमान के पानी से भरे हुये हैं। किस पात्र के शीतल होने की दर निम्नतम होगी?

1. Vessel painted with red / लाल रंग से रंगा हुआ पात्र

2. Vessel painted with green / हरे रंग से रंगा हुआ पात्र

3. Vessel painted with black / काले रंग से रंगा हुआ पात्र

4. Vessel painted with white / सफेद रंग से रंगा हुआ पात्र

Correct Answer :-

- Vessel painted with white / सफेद रंग से रंगा हुआ पात्र

29) Which among the following is a monobasic acid? /

निम्नलिखित में से क्या एक मोनोबैसिक अम्ल है?

1. $C_2H_4O_2$

2. H_2CO_3

3. H_3PO_4

4. H_3PO_3

Correct Answer :-

- $C_2H_4O_2$

30) Which one of the following is not an alloy of Iron? /

निम्नलिखित में से क्या लौह का एक मिश्रधातु नहीं है?

1. Solder. / सोल्डर

2. Stainless steel. / स्टेनलेस स्टील

3. Alnico. / ऐल्निको

4. Nichrome. / निक्रोम

Correct Answer :-

- Solder. / सोल्डर

31) Which of the statements about non biodegradable wastes is correct?
i. They are commonly man made.
ii. They can be degraded by micro organisms.
iii. The soluble non bio degradable wastes enter food chains and cause bio magnification.
iv. They do not accumulate in nature. /

अजैवनिम्नीकरणीय अपशिष्ट के बारे में कौन से कथन सही हैं?

I. सामान्यत: मानव निर्मित होते हैं।
ii. वे सूक्ष्म जीवों द्वारा निम्नीकृत किये जा सकते हैं।
iii विलेय अजैवनिम्नीकरणीय अपशिष्ट खाद्य श्रृंखला में प्रवेश करते हैं और जैव आवर्धन करते हैं।
iv. वे प्रकृति में संचित नहीं होते।

1. i and iii /i और iii

2. i and ii / i और ii

3. iii and iv / iii और iv

4. ii and iv / ii और iv

Correct Answer :-

- i and iii /i और iii

32) Which of the following elements show malleability? /

निम्नलिखित में से कौन-सा तत्व आघातवर्धनीयता दिखाता है?

1. Phosphorous / फॉस्फोरस

2. Iodine / आयोडीन

3. Sulphur / सल्फर

4. Zinc / जिंक

Correct Answer :-

- Zinc / जिंक

33) World Environment Day is celebrated on? / विश्व पर्यावरण दिवस कब मनाया जाता है?

1. May 5 / 5 मई

2. June 5 / 5 जून

3. September 15 / 15 सितंबर

4. April 27 / 27 अप्रैल

Correct Answer :-

- June 5 / 5 जून

34) Which physical property of Aluminium metal makes it possible for us to make Aluminium foils to wrap chocolates, toffees and medicinal tablets? /

एल्यूमिनियम धातु के किस भौतिक गुणधर्म के कारण हम उसका प्रयोग चॉकलेट, टॉफी और औषधीय गोलियों के एल्यूमिनियम पन्नी आवरण के तौर पर कर पाते हैं?

1. Malleability. / आघातवर्धनीयता

2. Good electrical conduction. / विद्युत् की सुचालकता

3. Good thermal conduction. / ऊष्मा की सुचालकता

4. Ductility. / तन्यता

Correct Answer :-

- Malleability. / आघातवर्धनीयता

35) Which of the following statements represents the science manipulative skills of a student? / निम्नलिखित में से कौन सा कथन एक छात्र के विज्ञान के प्रहस्तनीय कौशल (मैनीपुलेटिव स्किल) का प्रतिनिधित्व करता है?

1. The student can differentiate between two related concepts. / छात्र दो संबंधित अवधारणाओं के बीच अंतर कर सकता है।

2. The student can design a new experiment. / छात्र एक नया प्रयोग डिजाइन कर सकता है।

3. The student respects his/her science teachers. / छात्र अपने विज्ञान शिक्षकों का सम्मान करता है।

4. The student uses the equipment in the lab within their limitations. / छात्र अपनी सीमाओं में रहकर प्रयोगशाला में उपकरण का उपयोग करता है।

Correct Answer :-

- The student uses the equipment in the lab within their limitations. / छात्र अपनी सीमाओं में रहकर प्रयोगशाला में उपकरण का उपयोग करता है।

36) Out of the following options, choose the incorrect statement? / निम्नलिखित विकल्पों में से, असत्य कथन का चयन करिए।

1. Inductive method of teaching is a constructivist model of teaching. / शिक्षण की आगमन विधि, शिक्षण का एक रचनात्मक मॉडल है।

2. Inductive method of teaching is more student-oriented. / शिक्षण की आगमन विधि अधिक छात्र-उन्मुख है।

3. Discovery learning theory promotes autonomy in learner. / अन्वेषण अधिगम सिद्धांत, अधिगमकर्ता में स्वायत्तता को बढ़ावा देता है।

4. Deductive method of teaching progresses from a specific concept to the general. / शिक्षण की निगमन विधि, एक विशिष्ट अवधारणा से सामान्य की ओर बढ़ती है।

Correct Answer :-

- Deductive method of teaching progresses from a specific concept to the general. / शिक्षण की निगमन विधि, एक विशिष्ट अवधारणा से सामान्य की ओर बढ़ती है।

37) Write the given four colours in the ascending order of their wave length?

Yellow, Red, Green And Violet /

दिए गए चार रंगों को उनकी तरंगदैर्ध्य के अनुसार आरोही क्रम में लिखें?

पीला, लाल, हरा एवं बैंगनी

1. Violet, Green, Yellow, Red / बैंगनी, हरा, पीला, लाल
2. Yellow, Red, Violet, Green / पीला, लाल, बैंगनी, हरा
3. Green, Yellow, Red, Violet / हरा, पीला, लाल, बैंगनी
4. Violet , Yellow, Red, Green / बैंगनी, पीला, लाल, हरा

Correct Answer :-

- Violet, Green, Yellow, Red / बैंगनी, हरा, पीला, लाल

38) The SI unit of power of a lens is: /

एक लेंस की शक्ति की एस.आई. इकाई है:

1. Watt / वाट
2. Dioptre / डायोप्टर
3. Joule/second / जूल/सेकंड
4. Joule / जूल

Correct Answer :-

- Dioptre / डायोप्टर

39) What are the food requirements of dairy animals? / डेयरी पशुओं के भोजन की आवश्यकताएं क्या हैं?

1. Mixed feed containing dry grass, grams and other roughages. /

   सूखी घास, चने और अन्य मोटे चारे से सम्मिलित अन्य भोज्य।

2. Nutritious feed with additives. /

   योजकों के साथ में पौष्टिक भोज्य।

3. Fresh green grass. /

   ताजा हरी घास।

4. The feed should include roughages and concentrates in balanced amounts. /

   भोज्य में मोटा चारा उपस्थित होना चाहिए और संतुलित मात्रा में सांद्र होना चाहिए।

Correct Answer :-

- The feed should include roughages and concentrates in balanced amounts. /

  भोज्य में मोटा चारा उपस्थित होना चाहिए और संतुलित मात्रा में सांद्र होना चाहिए।

40) The intensity of the sound is related to:/

ध्वनि की तीव्रता इससे संबंधित है:

1. Amplitude / आयाम
2. Frequency / आवृत्ति
3. Pitch / पिच
4. Wavelength / तरंग दैर्ध्य

Correct Answer :-

- Amplitude / आयाम

41) For which liquid/fluid in the body are the below mentioned features applicable?

- **Cellular processes take place in this medium.**
- **Substances are transported from one part of the body to another in the dissolved form.**

शरीर में किस द्रव/तरल पदार्थ के लिये नीचे उल्लिखित विशेषताएं लागू होती हैं?

- **इस माध्यम में कोशिकीय प्रक्रियाएं होती हैं।**
- **पदार्थ को विलयित रूप में शरीर के एक हिस्से से दूसरे भाग में पहुँचाया जाता है।**

1. Blood / रक्त
2. Water / जल
3. Sugar solution / चीनी का घोल
4. Salt solution / लवण का घोल

Correct Answer :-

- Water / जल

42) Rishi is open-minded but believes every theory put forward to him by his friends but rejects theories of his teachers. This primarily shows a lack of: / ऋषि खुले-विचारों वाला है लेकिन वह उसके दोस्तों द्वारा उसके समक्ष रखे हर सिद्धांत को मानता है लेकिन अपने शिक्षकों के सिद्धांतों को अस्वीकार करता है। यह मुख्य रूप से _____ की कमी को दर्शाता है।

1. Respect for evidence / साक्ष्य के लिए सम्मान
2. Scepticism / संशयवाद
3. Prejudice / पूर्वाग्रह
4. Objectivity / निष्पक्षता

Correct Answer :-

- Objectivity / निष्पक्षता

43) The commonly found fish that is a surface feeder is /

सामान्य रूप से पाई जाने वाली मछली जोकि एक पृष्ठ संभरक (सर्फेस फीडर) है:

1. Catla. / कतला
2. Mrigals. / मृगला
3. Rohu. / रोहू
4. Common carp. / सामान्य कार्प

Correct Answer :-

- Catla. / कतला

44) The electrical device used to measure the current through an electric circuit is: /

विद्युत् परिपथ के माध्यम से विद्युत् को मापने के लिए उपयोग में लाया जाने वाला विद्युत उपकरण होता है:

1. Voltmeter / वोल्टमीटर
2. Electroscope / विद्युतदर्शी
3. Ammeter / आमीटर
4. Galvanometer / गेल्वेनोमीटर

Correct Answer :-

- Ammeter / आमीटर

45) The electronic configuration of an element is 2,8,1. The number of electrons that possess the least energy /

किसी तत्व का इलेक्ट्रॉनिक विन्यास 2,8,1 है। ऐसे इलेक्ट्रॉनों की संख्या जिनमें न्यूनतम ऊर्जा होती है:

1. 2
2. 0
3. 1
4. 8

Correct Answer :-

- 2

46) Which of the following method will be ideal for laboratory work in a class of 50 students? / निम्नलिखित में से कौन सी विधि 50 छात्रों वाली एक कक्षा में प्रयोगशाला के कार्य के लिए आदर्श होगी?

1. All of the students work on the same equipment at the same time. / सभी छात्र एक ही समय पर एक ही उपकरण पर कार्य करते हैं।
2. Students are divided into groups and different experiments are performed by each batch in a cyclic manner. / छात्रों को समूहों में विभाजित किया जाता है और प्रत्येक बैच द्वारा एक चक्रीय तरीके से विभिन्न प्रयोग किए जाते हैं।
3. Students are divided into groups and the same experiment is performed by each batch. / छात्रों को समूहों में विभाजित किया जाता है और प्रत्येक बैच द्वारा एक ही प्रयोग किया जाता है।
4. Only teacher demonstrates the experiment in front of the whole class. / केवल शिक्षक ही पूरी कक्षा के सामने प्रयोग प्रदर्शित करता है।

Correct Answer :-

- Students are divided into groups and different experiments are performed by each batch in a cyclic manner. / छात्रों को समूहों में विभाजित किया जाता है और प्रत्येक बैच द्वारा एक चक्रीय तरीके से विभिन्न प्रयोग किए जाते हैं।

47) Identify an atom with no neutrons from the following. /

निम्नलिखित में से न्यूट्रॉनहीन एक परमाणु की पहचान करें।

1. Helium / हीलियम
2. Tritium / ट्रिटियम
3. Protium / प्रोटीयम
4. Lithium / लिथियम

Correct Answer :-

- Protium / प्रोटीयम

48) A small fire in the laboratory due to sodium can be put out by: / सोडियम के कारण एक प्रयोगशाला में लगने वाली एक छोटी सी आग को इसके द्वारा बुझाया जा सकता है:

1. Using water / पानी के द्वारा
2. Using dry sand / शुष्क रेत के द्वारा
3. Using moist soil / गीली मिट्टी के द्वारा
4. Using CO_2 based extinguisher / CO_2 आधारित शामक के उपयोग द्वारा

Correct Answer :-

- Using dry sand / शुष्क रेत के द्वारा

49) Collaborative learning approach develops which of the following skills in a learner? / सहयोगात्मक अधिगम दृष्टिकोण से शिक्षार्थी में निम्नलिखित में से किस कौशल का विकास होता है?

1. Social and Academic skills / सामाजिक और शैक्षणिक कौशल
2. Critical thinking skills / गहन चिंतन कौशल
3. Relationship among concepts / अवधारणाओं के बीच संबंध
4. Interpretational skills / व्याख्यात्मक कौशल

Correct Answer :-

- Social and Academic skills / सामाजिक और शैक्षणिक कौशल

50) Identify the human practice that results in soil pollution. /

ऐसे मानवीय क्रियाकलाप जिसके परिणामस्वरूप मृदा प्रदूषण होता है, उनकी पहचान करे।

1. Deforestation / वनोन्मूलन।

2. Dumping of sewage into water bodies / जल निकायों में मल डालना।

3. Use of large amounts of fertilizers and pesticides / बड़ी मात्रा में उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग।

4. Vehicular traffic / मोटर प्रदूषण।

Correct Answer :-

- Use of large amounts of fertilizers and pesticides / बड़ी मात्रा में उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग।

51) Name the animal or product which does not provide vitamin D. /

उस पशु या उत्पाद का नाम बताएँ जो विटामिन डी प्रदान नहीं करता है।

1. Fish / मछली।

2. Eggs / अंडे।

3. Pork / सुअर का मांस।

4. Cow's milk / गाय का दूध।

Correct Answer :-

- Pork / सुअर का मांस।

52) A student is able to fix a focal length measuring apparatus despite notreading about it as a problem on his laboratory manual. This shows the useof which dimension of the cognitive process? / एक छात्र एक फोकल लंबाई मापने के उपकरण को ठीक करने में सक्षम है जबकि इसने प्रयोगशाला मैनुअल पर एक समस्या के रूप में इसके बारे में नहीं पढ़ा। यह संज्ञानात्मक प्रक्रिया के किस आयाम के उपयोग को दर्शाता है?

1. Knowledge / ज्ञान

2. Applying / अनुप्रयोग

3. Evaluating / मूल्यांकन करना

4. Creating / निर्माण करना

Correct Answer :-

- Applying / अनुप्रयोग

53) Which of the following statements does NOT distinguish hypothesesfrom theories in science? / निम्नलिखित में से कौन सा कथन, विज्ञान के सिद्धांतों से परिकल्पनाओं को अलग नहीं करता है?

1. Hypotheses usually are relatively narrow in scope; theories broad explanatory power. / परिकल्पनाएं आमतौर पर दायरे में अपेक्षाकृत संकीर्ण होती हैं; सिद्धांत में व्यापक व्याख्यात्मक शक्ति होती है।

2. Hypotheses and theories are essentially the same thing. / परिकल्पनाएँ और सिद्धांत अनिवार्य रूप से एक ही चीज हैं।

3. Hypotheses are guesses; theories are widely accepted 'correct' answers. / परिकल्पनाएँ अनुमान हैं; सिद्धांत व्यापक रूप से 'सही' उत्तर स्वीकार किए जाते हैं।

4. Theories are hypotheses that have been proved. / सिद्धान्त वे परिकल्पनाएँ हैं जो सिद्ध हो चुकी हैं।

Correct Answer :-

- Hypotheses and theories are essentially the same thing. / परिकल्पनाएँ और सिद्धांत अनिवार्य रूप से एक ही चीज हैं।

54) Which of the following can provide a non-formal learning experience tostudents? / निम्नलिखित में से कौन छात्रों को गैर-औपचारिक अधिगम अनुभव प्रदान कर सकता है?

1. Summer holiday written assignments / गर्मी की छुट्टियों में दिया जाने वाले लिखित समनुदेशन

2. Multiple choice question based test in class / कक्षा में बहुविकल्पीय प्रश्न आधारित परीक्षा

3. Science clubs / विज्ञान क्लब

4. Conducting experiments in the laboratory / प्रयोगशाला में प्रयोगों का संचालन

Correct Answer :-

- Science clubs / विज्ञान क्लब

55) 'Child-centred' pedagogy means: / 'बाल-केन्द्रित' शिक्षाशास्त्र का अर्थ है:

1. Teacher dictating the children what should be done / शिक्षक बच्चों को आज्ञा देते हैं कि क्या किया जाना चाहिए।
2. The teacher leading the learning in the classroom / शिक्षक कक्षा में अधिगम में अग्रणी भूमिका निभाता है।
3. Children are active participants in their own education and development / बच्चे अपनी शिक्षा और विकास में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं।
4. Children follow a prescribed information / बच्चे एक निर्धारित जानकारी का पालन करते हैं।

Correct Answer :-

- Children are active participants in their own education and development / बच्चे अपनी शिक्षा और विकास में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं।

56) Burning sensation in stomach is due to_____ . / पेट में जलन का कारण _____ है:

1. Indigestion / अपाचन
2. thirst / प्यास
3. digestion / पाचन
4. Hunger / भूख

Correct Answer :-

- Indigestion / अपाचन

57) What is the natural habitat of Cactus?/

कैक्टस का प्राकृतिक आवास क्या है?

1. desert / रेगिस्तान
2. clayey land / मृत्तिका भूमि
3. Water / जल
4. Land / भूमि

Correct Answer :-

- desert / रेगिस्तान

58) Which of the following statements does not follow the scientific method? / निम्नलिखित में से कौन सा कथन वैज्ञानिक पद्धति का पालन नहीं करता है?

1. Da Vinci's art should be costlier than Michelangelo's art. / दा विंची की कला माइकलएंजेलो की कला से महंगी होनी चाहिए।
2. The heliocentric model should replace the geocentric model of the solar system. / सूर्य केन्द्रीय सिद्धांत (हेलियोसेन्ट्रिक मॉडल) को सौर प्रणाली के भू-मॉडल को प्रतिस्थापित करना चाहिए।
3. Einstein's theory of relativity triumphs over Newton's theory of gravitation. / आइंस्टीन के सापेक्षता के सिद्धांत, न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत पर विजय प्राप्त करते हैं।
4. Photosynthesis produces more oxygen than respiration. / प्रकाश संश्लेषण, श्वसन से अधिक ऑक्सीजन का उत्पादन करता है।

Correct Answer :-

- Da Vinci's art should be costlier than Michelangelo's art. / दा विंची की कला माइकलएंजेलो की कला से महंगी होनी चाहिए।

59) Identify the substance which can be easily compressed by applying pressure on it. /

दबाव डालकर सरलता से संकुचित किये जा सकने वाले पदार्थ की पहचान करे।

1. Ice. / बर्फ

2. Carbon dioxide gas. / कार्बन डाइऑक्साइड गैस

3. Sugar crystals. / शर्करा क्रिस्टल

4. Water. / जल

Correct Answer :-

- Carbon dioxide gas. / कार्बन डाइऑक्साइड गैस

60) Which of the following is not an example of ICT resources? / निम्नलिखित में से कौन आईसीटी संसाधनों का एक उदाहरण नहीं है?

1. Social networking website / सामाजिक नेटवर्किंग वेबसाइट

2. Science blog / विज्ञान ब्लॉग

3. Science magazine / विज्ञान पत्रिका

4. Podcast / पॉडकास्ट

Correct Answer :-

- Science magazine / विज्ञान पत्रिका